मित्र समाचार

अंक 16
प्रकाशन 1
जनवरी 2026

"मत डर, क्योंकि मैंने तुझे छुड़ा लिया है; मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है, तू मेरा ही है।" यशायाह 43:1

बुलाहट

तुझे तेरा ही नाम लेकर बुलाया गया है

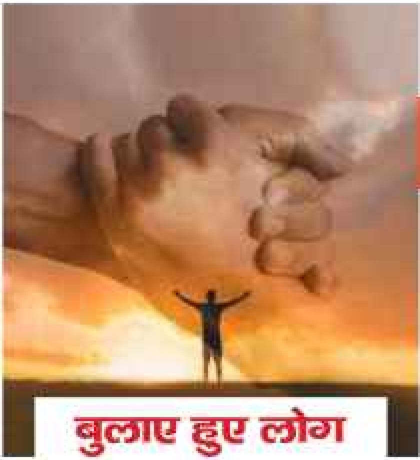

प्रथम पंक्ति....

बुलाए हुए लोग

चार्ल्स स्पार्जन ने एक बार कहा था, "अगर परमेश्वर तुम्हें अपना सेवक बनने के लिए बुलाता है, तो राजा बनकर अपने आदर्श को कम मत करो।" जब परमेश्वर किसी मनुष्य को अपनी सेवा करने के लिए बुलाता है, तो दुनियाँ का कोई भी ताज या पद उस सम्मान के बराबर नहीं हो सकता। सच्ची महानता ताकत, दौलत या पहचान में नहीं, बल्कि परमेश्वर के पवित्र मकसद के प्रति विनम्रता के साथ आज्ञा मानने में मिलती है।

यह सच्चाई हमारे कई सहयोगियों की जिंदगी में साफ दिखाई है जो हमारे संस्था में अलग–अलग हैसियत से परमेश्वर की सेवा करते हैं। जब परमेश्वर ने उन्हें बुलाया, तो कुछ शिक्षक थे, कुछ सरकारी नौकरी करते थे, दूसरे बहुत पढ़े–लिखे या अच्छी तरह से स्थिर हो चुके थे। फिर भी, जैसा कि प्रेरित पौलुस फिलिप्पियों 3:8 में लिखता है, उसने परमेश्वर के बुलाहट को मानने के लिए बाकी सब चीजों को हानि समझा। यहाँ तक कि मामूली सेवा में भी, उसका बुलाहट किसी भी संसारिक उपाधि से कहीं ज्यादा है।

पूरे धर्मग्रंथ में, परमेश्वर लोगों को नाम से बुलाता है। उसने स्वयं शमूएल, मूसा, मरियम और पौलुस को बुलाया, और उनके जरिए उसने राष्ट्रों पर प्रभाव डाला। यशायाह 43:1 में, प्रभु ने इस्राएल से कहा, "मैंने तुम्हें नाम से बुलाया है; तू मेरा ही है।" जिस परमेश्वर ने अपने लोगों को छुड़ाया, उसने न सिर्फ उन्हें बुलाया, बल्कि उस बुलाहट का मकसद भी बताया, जैसा कि यशायाह 43:1–14 में बताया गया है।

व्यक्तिगत बुलाहट (पद 1–2): हालांकि यह बुलाहट इस्राएल देश के लिए था, परन्तु यह बहुत ही निजी है। परमेश्वर ने उन्हें नाम लेकर बुलाया और अपने प्रतिज्ञाओं का भरोसा दिलाया, और स्वयं को विश्वासयोग्य और कभी न बदलने वाला बताया।

एक नई पहचान (पद4): इस्राएल की नाकामियों और पहचान खोने के बावजूद, परमेश्वर ने उन्हें अपनी कृपा से वापस लेकर आया, उन्हें कीमती, सम्मानित और प्रेम करने वाला बताया – एक ऐसी पहचान जो दी गई थी, जो कमाया नहीं जा सकता।

एक नया नाम (पद 7): परमेश्वर ने उन पर अपना नाम रखा, और उनके संतान के रूप में इसके साथ आने वाली जिम्मेदारियों, आशीर्वादों और पहचान का उनके स्तर को दृढ़ किया। (2 इतिहास 7:14)।

एक पवित्र काम (पद 8): हालाँकि वे कभी गुलाम थे, फिर भी परमेश्वर ने उन्हें अपने छुटकारे के मिशन में बुलाया। यह काम मानवीय शक्ति पर निर्भर नहीं करता, क्योंकि परमेश्वर स्वयं अपने सेवकों के आगे चलता है (पद 5–14), और हार मान चुके लोगों की जिंदगी को प्रभावशाली रूप में बदलता है।

परमेश्वर के गवाह (पद 10 & 12): सिर्फ वही लोग जो सच में उस परमेश्वर को जानते हैं और उस पर विश्वास करते हैं जिसने उन्हें बुलाया है, अपने जीवन से सच्ची गवाही दे सकते हैं।

इस वर्ष, परमेश्वर ने हमारे संगठन को ऐसा बुलावा दिया है – एक व्यक्तिगत बुलावा, नाम लेकर बुलावा। जिन सभी को यह बुलाहट मिल है वे आज्ञा मानें, यह पहचानते हुए कि परमेश्वर की बुलाहट सिर्फ एक बुलाहट नहीं, बल्कि एक स्वर्गीय आज्ञा है जिसका उत्तर हमें सम्पूर्ण हृदय से देना चाहिए।

यहोवा ने मुझे गर्भ ही में से बुलाया, जब मैं माता के पेट में था, तब ही उसने मेरा नाम बताया।

यशायाह 49:1

जब परमेश्वर हमें बुलाता है, तो वह सुसज्जित भी करता है, प्रबन्ध भी करता है, बनाए रखता है और सशक्त भी करता है हमें उससे कहीं ज्यादा करने की जरूरत है जितना हम सोचते हैं या सोचते हैं कि हम कर सकते हैं।

– रिक रेनर

मैं तुझको अंधकार में छिपा हुआ और गुप्त स्थानों में गड़ा हुआ धन दूँगा, जिस से तू जाने कि मैं इस्राएल का परमेश्वर यहोवा हूँ जो तुझे नाम लेकर बुलाता है।

यशायाह 45:3

"जो तारों को गिनता है और उन्हें उनके नाम से पुकारता है, उसे अपने बच्चों को भूलने का कोई खतरा नहीं है।"

– चार्ल्स स्पर्जन

मित्र समाचार

हमारा मिशन :

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल एक सुसमाचार– केंद्रित आंदोलन है जो देश के कोने–कोने में यीशु मसीह के सुसमाचार को पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय कलीसियाओं की अटूट प्रार्थनाओं, सक्रिय भागीदारी और त्यागपूर्ण समर्थन से सशक्त होकर – अपनी कलीसियाओं, संस्थाओं, परिवारों और व्यक्तियों के माध्यम से – यह आंदोलन पूरे देश में निष्ठापूर्वक सेवा कर रहा है। हम सब मिलकर मसीह के मिशन में आगे बढ़ रहे हैं। जुड़े रहें। अपने दर्शन को साझा करें। दूसरों को उसके परिवर्तनकारी प्रेम से परिचित कराएँ।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org

मित्र समाचार

एफ.एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

महासचिव
विजय प्रसन्ना इसाहक
प्रकाशक एवं सम्पादक
एस. जॉन बर्लिन

सदस्यता
वार्षिक – 100 रुपये
आजीवन – 1500 रुपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

2026 महासचिव की ओर से...

परमेश्वर के मिशन में प्रिये प्रार्थना साथियों एवं सहयोगियों

हम पिछले वर्षों की सेवा में हमें रास्ता दिखाने में उनकी पक्की वफादारी के लिए हम सम्पूर्ण हृदय से परमेश्वर की स्तुति करते हैं। खुशी और चुनौती, भरपूरता और अनिश्चितता के अवसरों पर, प्रभु हमारे आगे रहे हैं, अपनी कृपा से हमें संभाला है, और अपनी सामर्थ्य से कहीं ज्यादा अपने मकसदों को पूरा किया है। सिर्फ उसकी दया से ही हम एक और नए साल में अनुग्रह से आए हैं और उनकी अच्छाई के जीते–जागते गवाह बनकर खड़े हैं।

जैसे ही हम उनके सबसे बड़े हाथ के नीचे इस नए समय में कदम रख रहे हैं, मैं बहुत शुक्रगुजार हूँ और प्रार्थना पर फिर से भरोसा करता हूँ। सेवा में आगे बढ़ने का हर कदम इंसानी समझ या रिसोर्स से नहीं, बल्कि परमेश्वर के लोगों की विश्वास योग्यता की उपस्थिति से टिका रहता है। आपकी प्रार्थनाएँ उन सभी चीजों के पीछे एक शांत परन्तु शक्तिशाली ताकत रही हैं जो परमेश्वर ने हमें करने में काबिल बनाया है।

जैसे ही हम नए साल में कदम रखते हैं, प्रभु की आवाज हमें गहरे भरोसे और नई पहचान के साथ मिलती है। अनिश्चितताओं से भरी परिवर्तनशील दुनियाँ में, परमेश्वर अपने लोगों से एक हमेशा रहने वाला सच कहता है: "मैंने तुम्हें नाम से बुलाया है; तू मेरा ही है।" यह सिर्फ एक दिलासा देने वाला वादा नहीं है – यह अपनेपन, मकसद और मिशन का एक दिव्य अहवान है।

परमेश्वर जो हमें व्यक्तिगत रूप से बुलाता और हमें विश्वासपूर्वक भेजता है

जो परमेश्वर हमें नाम लेकर बुलाता है, वही परमेश्वर हमें अपनी फसल के खेत में भेजता है। हमारी बुलाहट व्यक्तिगत और मिशनरी दोनों है। पिछले महीने, हमने मिशन निशन क्षेत्रों में और मोबिलाइजेशन इनिशिएटिव के जरिए अपनी क्रिसमस कैरोल मिनिस्ट्री के जरिए इस सच्चाई को खूबसूरती से जीते हुए देखा है।

गाँवों, कस्बों, संस्थानों और शहरी स्थानों पर, क्रिसमस कैरोल और कैरोल सर्विस इम्मानुएल – यानी परमेश्वर हमारे साथ – की जीती–जागती निशानी बन गईं। ये जमावड़े सिर्फ मौसमी कार्यक्रम नहीं थे; ये मिशनरी मुलाकातें थीं जहाँ सुसमाचार के गीत गाया जाता था, साझा किया जाता था और देखा जाता था। मैं हमारे मिशनरियों, अगुवों, स्वयं सेवकों और मोबिलाइजर्स के लिए परमेश्वर का शुक्रिया अदा करता हूँ जिन्होंने अक्सर मुश्किलों के बीच आनन्द के साथ विश्वासयोग्यता और त्याग के साथ साथ सेवा की,, । सच में, जिन्हें नाम से बुलाया जाता है, उन्हें एक मकसद के साथ भी भेजा जाता है।

छुड़ाए हुए लोग, विश्वास में आगे बढ़ना

प्रभु कहता है, "मत डर, क्योंकि मैंने तुम्हें छुड़ा लिया है।" जब हम जिम्मेदारियों और उम्मीदों से भरे नए साल में आगे बढ़ते हैं, तो छुटकारा हमें सहारा देता है। हमारा अतीत हमें बांधता नहीं है; उनका छुटकारा हमें आगे बढ़ाता है।

क्योंकि हम उनके हैं, इसलिए हम भविष्य में चिंता के साथ नहीं, बल्कि उनके मार्गदर्शन में भरोसे के साथ कदम रखते हैं।

जैसे ही हम इस साल की शुरुआत कर रहे हैं, आगे कई जरूरी मीटिंग और प्रोग्राम होने वाले हैं – हर एक परमेश्वर के लोगों को मजबूत करने, अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने और खुद को परमेश्वर के मिशन के साथ नए सिरे से जोड़ने का मौका है।

हम विनम्रता के साथ हमारे साथ प्रार्थना में खड़े रहने के लिए आपको बुलाते हैं, क्योंकि प्रभु हमें आने वाले दिनों में सेवा और समझदारी के महत्वपूर्ण पलों में ले जाने वाले हैं।

कृपया हमारे CZ मिशनरियों की फैमिली गैदरिंग के लिए हृदय से प्रार्थना करें, कि परमेश्वर अग्रगामी मिशनरी के रूप में सेवा करने वालों में नई ताकत, खुशी वापस लाए और एकता को मजबूत करे। शोलागन्नूर और थिरुवल्लूर में पोंगल की छुट्टियों के दौरान हमारे युवा कार्यक्रम को बनाए रखें, ताकि युवाएँ मसीह से मिल सकें और आज्ञाकारिता और हिम्मत के साथ परमेश्वर की बुलाहट का प्रतिउत्तर दे सकें। 18 जनवरी को त्रिची में तमिलनाडु मोबिलाइजेशन – सेंट्रल जोन लीडर्स की मीटिंग के लिए प्रार्थना करें, कि परमेश्वर उन्हें ज्ञान, एकता और स्पष्ट दिशा प्रदान करे।

हम गुजरात में होने वाले स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के (24–26 जनवरी) लिए भी आपकी प्रार्थना चाहते हैं, ताकि धन्यवाद का बलिदान उमड़ने पाए और परमेश्वर के मिशन के लिए लोगों में नयासमर्पण की भावना उत्पन्न हो। आखिर में, कृपया राष्ट्रीय योजना सम्मेलन 2026 के लिए मध्यस्थता की प्रार्थना करें, ताकि हर योजना और निर्णय परमेश्वर के हृदय की इच्छा के अनुसार हो और पवित्र आत्मा की अगुवाई मिले।

इनमें से हर सभा हमें याद दिलाती है कि परमेश्वर सिर्फ लोगों को ही नहीं बुलाता, बल्कि मिशन पर ऐसे लोगों का जो उनके हैं और उनकी बात मानकर साथ चलते हैं एक सामाज का निर्माण भी करता है।

जब आप प्रार्थना करें, तो परमेश्वर के वचन के इस भरोसे को मजबूती से थामे रहें: "मैंने तुम्हें नाम लेकर बुलाया है; तू मेरा ही है।" परमेश्वर के बुलाए हुए और छुड़ाए हुए लोगों के रूप में, आईए हम सब मिलकर उनकी ओर ताकें और उन पर भरोसा करें कि वे हमें एक अच्छे और परमेश्वर की महिमा करने वाले वर्ष में ले जाएँ।

जैसे–जैसे हम इस नए वर्ष की ओर में आगे बढ़ रहे हैं, मेरी प्रार्थना है कि आप में से हर कोई एक नई पहचान और भरोसे के साथ आगे बढ़ें। प्रभु जो आपको लेकर से बुलाता है, आपके विश्वास को मजबूत करे, आपके कदमों को मजबूत करे, और आपके हाथों के काम को सफल करे। आपके घर उनकी शांति से भर जाएं, आपकी सेवा खुशी से भरी हो, और आपकी गवाही पवित्र आत्मा के द्वारा मजबूत हो। आईए हम एक साथ आगे बढ़ें, निडर, वफादार, और फलदायी, यह पूरी तरह जानते हुए कि हमें प्रभु ने छुड़ाया है, बुलाया है, और अपना लिया है जो प्रेम से कहता है, "तू मेरा ही है।"

प्रार्थनापूर्ण अभिवादन और आशीर्वाद के साथ एक मसीह–केंद्रित एवं फलदायी नव वर्ष मुबारक हो.

आभार एवं आशा के साथ,

मसीह में आपका संगी सेवक,

रेव्ह. विजय प्रसन्ना इसहाक

अध्यक्ष
का पत्र

प्रिय मित्रों,

हम शुक्रगुजार होकर अपनी आवाज उठाना चाहते हैं और नए साल 2026 में 'Great is thy faithfulness' गाना चाहते हैं। मैं आपको नव वर्ष 2026 की शुभकामनाएँ देता हूँ।

साथ ही, यह स्वयं से पूछने का सही समय है कि 'आप अपनी जिंदगी को कैसे मापते हैं?' क्या ऐसा कुछ है जो मैं दुनिया को दे सकता हूँ जो मुझसे बड़ा हो?कुछ ऐसा जो दूसरे लोगों को बेहतर इंसान बनने में मदद करे?कुछ ऐसा जो लोगों को परमेश्वर और स्वर्गीय मूल्य को जानने में मदद करे?कुछ ऐसा है जो मैं समाज को बिना किसी उम्मीद के दे सकूँ? मैं कैसे पता लगाऊँगा कि मैं वह लक्ष्य हासिल कर रहा हूँ या नहीं?

डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर, जिन्हें 35 साल की कम उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त किया था, ने कहा था, 'जिंदगी का सबसे उचित और जरूरी सवाल है 'आप दूसरों के लिए क्या कर रहे हैं?' देश तब मजबूत होता है जब वह कमजोरों की परवाह करता है; देश तब अमीर बनता है जब वह गरीबों की परवाह करता है; देश तब अजेय बनता है, जब वह कमजोरों की परवाह करता है। देश तब महान बनता है, जब वह लोगों की जिंदगी में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को लेकर आता है। FMPB पूरे देश में यही करता है। हम स्वर्गीय मूल्यों के साथ देश को बदलने में शामिल होते रहेंगे।

आप अपने जीवन को कैसे मापेंगे?

1. तय करें कि आप किस चीज के लिए खड़े हैं। और फिर हर समय उसके लिए खड़े रहें। ईमानदारी और सच्चाई के लिए खड़े रहें। विनम्रता और बेहतरीन चीजों के लिए खड़े रहें। स्वर्ग के मूल्यों के लिए खड़े रहें। परमेश्वर और लोगों के सामने 'निष्कलंक' रहने के लिए खड़े रहें। सीधे चलें, सच बोलें, किसी की बुराई न करें, पड़ोसियों के साथ बुरा न करें, परमेश्वर के लोगों का सम्मान करें, वादे निभाएँ (भले ही कीमत चुकानी पड़े), और रिश्वत न लें और न ही दें।

2. अपना प्रभाव, मित्रता, प्रेम, हमदर्दी या ज्ञान दूसरों के साथ साझा करें। ऐसे में, हमें नुकसान नहीं होता, बल्कि हमें ज्यादा मिल सकता है। ये ऐसी चीजें हैं जिनका नैतिक या आध्यात्मिक पहलू होता है। इनमें एक खास बात है – जितना ज्यादा हम साझा करेंगे, उतना ही ज्यादा हमारे पास होगा। नैतिकता सहयोग का क्षेत्र है, प्रतिस्पर्धा का नहीं। जब मैं अपनी जिंदगी और समय युवाओं को IAS| IPS| IFS वगैरह में जाने के लिए मुफ्त में मदद करने में लगाता हूँ, तो मुझे पता है कि यह इसके लायक है।

3. बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना, समाज को कुछ वापस दें। इसे चुपचाप, चुपके से करें। फिर आपको स्वर्ग में इनाम मिलेगा। उन बच्चों की मदद करें जिनके पास स्कूल या कॉलेज जाने के लिए कोई साधन न हो। उन मिशनरियों की मदद करें जो परमेश्वर के प्रेम का प्रचार करते हैं और समाज में बदलाव लाते हैं। FMPB मिशनरियों को भेजने और बच्चों को उनकी स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई में मदद करने में शामिल है। बच्चों की मदद करें। मिशनरियों की मदद करें। इससे समाज में बदलाव आएगा।

4. अपने जिंदगी की सबसे आवश्यक वस्तुओं पर ध्यान न दें। अपने माता–पिता के साथ ज्यादा समय बिताएँ। अपने बच्चों के साथ मूल्यवान समय बिताएँ। अपने दोस्तों के साथ समय बिताएँ। अपने रिश्तेदारों के साथ समय बिताएँ। अपना समय और श्रोतों को सही तरीके से बाँटें। रिश्ते जिंदगी में दूसरी कई चीजों से ज्यादा जरूरी हैं।

5. अपनी जिंदगी में आध्यात्मिक शिष्य रखें – गुप्त में प्रार्थना करें, गुप्त से उपवास करें, गुप्त में दान करें। तब आपको धरती पर और स्वर्ग में भी बहुत सारे पुरस्कार मिलेंगे। एक आज्ञाकारी महिला एमी कारमाइकल और एक छोटे बच्चे की छोटी सी शुरुआत से एक 'मॉडल गाँव' (डोहनावूर) बना, जिसमें अपनी साधारण सुविधाएँ और बीमारों की सेवा के लिए एक अस्पताल भी था। तमिलनाडु के दक्षिणी हिस्से में 400 एकड़ में बसा, डोहनावूर फेलोशिप में आज एक अस्पताल, एक बड़ा स्कूल, एक डेयरी फार्म, एक बाल भवन और भी बहुत कुछ है। 1901 में एमी कारमाइकल (जिन्हें प्यार से 'अम्मा' कहा जाता था) ने बचाए गए बच्चों के लिए एक बाल भवन के रूप में इसकी शुरुआत की थी, फेलोशिप का काम सालों से अपने सभी मौजूदा पहलुओं तक फैल गया है। उन्होंने अपनी जिंदगी को इस बात से मापा कि उन्होंने कितने लोगों को छुआ, कितने लोगों की देखभाल की और उसने कितने लोगों की मदद की।

आप अपने जीवन को कैसे मापते हैं?

श्री जॉन समुएल, अध्यक्ष, एफ.एम.पी.बी.

एफ.एम.पी.बी. विज़ाग आनन्दोत्सव' 25

आनन्द और समागम का दिन

प्रभु यीशु मसीह की अपार कृपा से, FMPB विज़ाग आनन्दोत्सव' 25, 8 नवंबर 2025 को सुब्बालक्ष्मी कल्याण मंडपम की बड़ी जगह पर सफलतापूर्वक हुआ, जिससे परमेश्वर के नाम को शान और सम्मान मिला! यह इवेंट वरली बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसे जमा करने के मकसद से किया गया था, खासकर गुजरात के सारसमल डिस्ट्रिक्ट में वरली बॉयज (293) हॉस्टल का प्रथम तल्ला बनाने के लिए, ताकि उनके सपनों को पूरा किया जा सके और उनके बेहतर भविष्य में मदद मिल सके।

परमेश्वर कृपा से, लगभग 3,000 लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया, और लगभग 85 स्थानीय कलीसियाओं ने 105 स्टॉल लगाए। स्टॉल पर किताबें, कपड़े, पौधे, गेम्स, स्वादिष्ट स्नैक्स, अलग–अलग तरह के खाने और रिफ्रेशिंग ड्रिंक्स के लाइव काउंटर, पपेट शो, और मेडिकल और फिजियोथेरेपी स्टॉल जैसी हर चीज मौजूद थी। स्टेज पर बहुत सारी एक्टिविटीज थीं, जिसमें शानदार लाइव म्यूजिक, कोरियो, लाइव ऑक्शन और FMPB मिशनरी और वार्ल बॉयज के प्रेरणादायक प्रस्तुति शामिल था।

हमारे सर्वशक्तिमान ईश्वर की बहुत–बहुत धन्यवाद और महिमा हो, जिन्होंने वरली बच्चों, 'इनमें से सबसे कमजोर' के लिए अच्छा मौसम, सुरक्षा, कई चर्चों का एक साथ आना, हजारों लोगों को इकट्ठा करके इस बड़े कार्यक्रम को मुमकिन बनाया!

हम हृदय की गहराई से विनम्रता के साथ परमेश्वर की स्तुति और महिमा करते हैं, क्योंकि सिर्फ वही सारी स्तुति और आराधना के योग्य है।

– वान्या फ्रांसिस, एफ.एम.पी.बी. विशाखापत्तनम

नाम लेकर बुलाया

नाम लेकर बुलाया गया, उद्देश्य के साथ भेजा गया

"हे इस्राएल, तेरा रचनेवाला, और हे याकूब, तेरा सृजनहार यहोवा अब यों कहता है, "मत डर, क्योंकि मैंने तुझे छुड़ा लिया है; मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है, तू मेरा ही है।" (यशायाह 43:1)

जैसे ही हम सेवकाई और गवाही के नए वर्ष में कदम रख रहे हैं, मैं आपको हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के प्रेमी नाम में बधाई देता हूं। नया वर्ष सिर्फ कैलेंडर बदलना नहीं है; यह परमेश्वर की तरफ से एक पवित्र निमंत्रण है ताकि हम स्मरण रखें कि हम कौन हैं, हम किसके हैं, और हमें क्यों भेजा गया है। यशायाह 43:1 से लिया गया इस वर्ष का मूल विषय "तुम्हें बुलाया गया है" हमारे पास भरोसा और बुलाहट दोनों के रूप में आता है।

ये शब्द सबसे पहले उन लोगों से कहा गया था जो थके हुए, बेघर और अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित थे। फिर भी, परमेश्वर ने किसी रणनीति या सलाह से आरम्भ नहीं की। उसने पहचान से शुरुआत की: "मैंने तुम्हें नाम लेकर बुलाया है; तू मेरा ही है।" यहीं से सभी सच्चे मिशन हमारी योजनाओं से नहीं, बल्कि परमेश्वर की अनुग्रहपूर्ण कदम से आरम्भ होता है।

एक मिशन आन्दोलन के तौर पर जो पूरे भारत और उसके बाहर परमेश्वर के उद्धार के काम में हिस्सा लेने के लिए समर्पित है, FMPB इस वर्ष यह याद दिलाते हुए शुरू हुआ है कि हमारी बुलाहट और भेजा जाना हमारे काम से पहले आता है।

सृष्टिकर्ता एवं बचानेवाला द्वारा बुलाया गया

यशायाह 43:1 बुलाहट की गहरी धार्मिक बुनियाद को बताता है। परमेश्वर स्वयं को वही बताता है जिसने अपने लोगों को बनाया, रचा और बचाया। ये काव्यात्मक पुनरावृति नहीं है; ये हमारे साथ परमेश्वर के सम्बन्ध के पूर्ण दायरे का वर्णन करता है।

परमेश्वर का बनाया गया होना हमारी गरिमा को दृढ़ करता है। परमेश्वर का बनाया होना हमारे मकसद की पुष्टि करता है। परमेश्वर का छुड़ाया जाना हमारे मूल्य की पुष्टि करता है। जो मिशन इन सच्चाइयों से अलग होता है, वह बोझिल और नाजुक हो जाता है। परन्तु पहचान से जुड़ा मिशन खुशी से बात मानना बन जाता है।

हमारे लिए एक मिशन फेलोशिप के तौर पर यह बहुत जरूरी है। हम सिर्फ कार्यक्रमों का प्रबन्ध करने वाला एक संस्था नहीं हैं। हम एक बचाए गए समुदाय हैं, जिसे परमेश्वर ने बनाया है, और जिसे हमारे देश की भूमि में उसकी महिमा को दिखा सकें। गाँवों, कस्बों, परिसरों, अस्पतालों और संस्थानों में हमारे कार्यकर्ता सिर्फ इसलिए सेवा नहीं करते क्योंकि उन्हें काम सौंपा गया है, बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि वे बुलाए गए हैं।

"मैंने तुम्हें नाम लेकर बुलाया है": परमेश्वर की बुलाहट का व्यक्तिगत स्वरूप

परमेश्वर दूर या गुमनाम नहीं है। वह नाम लेकर बुलाता है। मूसा को जलती हुई झाड़ी से नाम लेकर बुलाया। शमूएल ने रात के सन्नाटे में अपना नाम सुना। जक्कई को पेड़ के ऊपर से नीचे बुलाया। दमिश्क के रास्ते में स्वयं शाऊल का सामना हुआ।

हमारे भारतीय संदर्भ में, नामों का मतलब, वंश और पहचान होती है। नाम से पुकारे जाने का मतलब है पहचान, अहमियत और भरोसा मिलना। हमारे कई मिशनरी इस बात की गवाही दे सकते हैं कि परमेश्वर उनसे स्वयं मुलाकात की – कभी धर्मग्रंथ के जरिए, कभी उपदेश के जरिए, कभी किसी मुश्किल में – और उन्हें अपनी सेवा में बुलाया।

मुझे गाँव के एक युवा विश्वासी की याद आती है, जिसने पहली बार FMPB द्वारा सहायता प्राप्त एक गाँव के प्रचारक से सुसमाचार सुना था। पहली पीढ़ी के मसीही होने के नाते, उसके परिवार ने उसके विश्वास का विरोध किया। फिर भी, प्रार्थना और धीरज से सलाह देने पर, उसे अपने लोगों के बीच सेवा करने के लिए परमेश्वर की बुलाहट को महसूस किया। आज, वह एक ऐसे इलाके में ईमानदारी के साथ सेवा करता है जहाँ कभी मसीह को कोई जानता न था। परमेश्वर आज भी नाम लेकर बुलाता है, यहाँ तक कि असम्भावित जगहों पर भी।

मत डर: अनिश्चितता के मध्य में बुलाया गया

यशायाह 43 में परमेश्वर की बुलाहट एक आदेश से शुरू होता है: "मत डर।" यह जरूरी है। बुलाहट चुनौतियों को दूर नहीं करता; यह उनका सामना करने की हिम्मत देता है। जब परमेश्वर ने ये शब्द कहा था, तब इस्राएल बन्धुआई में था।

आज हमारे मिशन का माहौल भी अनिश्चितता से खाली नहीं है। सामाजिक बदलाव, आर्थिक दबाव, जुल्म और सुसमाचार का विरोध, प्राकृतिक आपदाएँ, और काम करने वालों में थकान वास्तविक है। हमारे कई मिशनरी मुश्किल इलाकों, बीमारी वाले इलाकों, मुश्किल माहौल और आध्यात्मिक रूप से रुकावट वाले इलाकों में सेवा करते हैं, जहाँ अक्सर कम साधन और बहुत कम पहचान होती है। कुछ लोगों को सिर्फ मसीह के प्रति वफादार रहने के कारण तिरस्कार, धमकियों या लंबे समय तक तकलीफों का सामना करना पड़ता है।

तौभी प्रतिज्ञाएँ बनी रहती हैं "जब तू जल में होकर जाए, मैं तेरे संग रहूँगा।" परमेश्वर आसान रास्तों की प्रतिज्ञा नहीं करता, बल्कि अपने सदा की उपस्थिति की प्रतिज्ञा करता है। वह अपने सेवकों के साथ बाढ़ और आग के बीच चलता है, अपनी आत्मा से उन्हें सहारा देता है और सच्ची गवाही के लिए उन्हें स्थिर करता है।

हमने इस सच्चाई को अपने FMPB मिशनरियों के महंगे अनुभव से खुद देखा है, जिन्होंने दुश्मनी और जुल्म से भरे हालातों में सेवा की है। कुछ इलाकों में, सुसमाचार का विरोध तेज हो गया, धमकियाँ दी गईं, और कुछ मामलों में, मिशन समुदाय को ऐसा नुकसान हुआ जिसकी भरपाई नहीं हो सकती, जिसमें कीमती जानें भी शामिल हैं। फिर भी, दुःख, डर और अनिश्चितता के बावजूद, हमारे मिशनरियों ने सेवा करना चुना। प्रार्थना, त्याग और आज्ञाकारिता और पक्की गवाही के जरिए, सुसमाचार ने जड़ें जमाना जारी रखा। ऐसे पलों में जब हालात बहुत ज्यादा बुरी भी थे और कीमत बहुत ज्यादा वास्तविक था, परमेश्वर की बुलाहट पर उनका पक्का यकीन था जिसने उन्हें संभाला और दुख सहते हुए मसीह की गवाही दी।

गवाही के लिए बुलाया गया

यशायाह 43 भरोसे से काम की ओर ले जाता है: "तुम मेरे गवाह हो" (पद 10)। चुनाव से बुलाहट मिलती है। परमेश्वर अपने लोगों को संसार से दूर जाने के लिए नहीं, बल्कि इसके अंदर गवाही देने के लिए बुलाता है।

यह हमें याद दिलाता है कि कलीसिया परमेश्वर के मिशन के लिए है। FMPB की बुलाहट बाइबिल के इस आदेश के साथ जुड़ा हुआ है, कि इवेंजलिज्म, शिष्यत्व, करुणा सेवाओं, नेतृत्व विकास, और स्थानीय कलीसियाओं के साथ साझेदारी के जरिए समुदायों को बदलने और राष्ट्र के निर्माण के लिए मसीह की गवाही दी जाए। इस वर्ष हमारा ध्यान इसी पर है:

- स्वदेशी मिशन पहलों को मजबूत करना
- वचन और कर्म को मिलाकर एक समग्र मिशन को बढ़ावा देना
- परमेश्वर के मिशन के लिए अगली पीढ़ी को एकजुट करना

- विश्वास, प्रार्थना और जवाबदेही पर बनी साझेदारी गहरा करना

हमें अलग–अलग लोगों के तौर पर नहीं, बल्कि भारत की अलग–अलग और मुश्किल सच्चाइयों में परमेश्वर के मिशन को पूरा करने के लिए एक साथ बुलाया गया है।

परमेश्वर के मिशन में हमारी बुलाहट को समझना

बुलावा समय के साथ, प्रार्थना में, धर्मग्रंथ में और समाज में पहचाना जाता है। अक्सर, जब हम आज्ञा मानते हैं तो परमेश्वर की बुलाहट स्पष्ट हो जाती है। एक मिशन बॉडी के तौर पर, हमें जानबूझकर ऐसी जगहें बनानी चाहिए जहाँ बुलाहट को सुना जा सके, परखा जा सके और पुष्टि किया जा सके, खासकर युवाओं, महिलाओं और उभरते हुए अगुवों के बीच। हमारी कई महिला मिशनरी इस बात की गवाही देती हैं कि परमेश्वर ने उनकी बुलाहट की पुष्टि करने के लिए साधारण विश्वासयोग्यता का इस्तेमाल किया — बच्चों को सिखाना, घरों में जाना, बीमारों की देखभाल करना। परमेश्वर का मिशन न सिर्फ दिखने वाले और मशहूर होने से, बल्कि शांत, लगातार आज्ञा मानने से भी आगे बढ़ता है।

हमें यह भी याद रखना चाहिए कि बुलाहट सिर्फ पूर्णकालिक मिशनरियों तक ही सीमित नहीं है। पादरी, प्रोफेशनल, शिक्षक, डॉक्टर, एडमिनिस्ट्रेटर और सहयोगी सभी को प्रार्थना, दान, वकालत और अपने–अपने माहौल में सच्ची गवाही के द्वारा परमेश्वर के मिशन में हिस्सा लेने के लिए बुलाया गए हैं।

परमेश्वर की महिमा एवं राष्ट्रों की आशा के लिए बुलाए गए हैं

हमारी बुलाहट का वास्तविक उद्देश्य परमेश्वर की महिमा है: "हर एक को जो मेरा कहलाता है, जिसको मैंने अपनी महिमा के लिए सृजा, जिसको मैंने रचा और बनाया है।" (यशायाह 43:7)। जब कलीसिया अपनी बुलाहट को ईमानदारी से जीता है, तब परमेश्वर की महिमा होती है और देश धन्य होता है।

FMPB के रूप में, इस वर्ष हमारी प्रार्थना सिर्फ संख्या में बढ़ोतरी नहीं, बल्कि अपने विश्वासयोग्यता को गहरा करना है। हमारी बुलाहट हमारी प्राथमिकता, हमारे फैसले और हमारे रिश्तों को आकार दे। हम डर और थकान का विरोध करें, और परमेश्वर के मिशन के लिए अपना समर्पण को फिर से जगाएँ।

मिशन में प्रिये साथियों, इस वर्ष की शुरुआत में, आईए हम परमेश्वर की आवाज को नए सिरे से सुनें: "मैंने तुम्हें नाम लेकर बुलाया है; तू मेरा ही है।" आईए हम मजबूरी में नहीं, बल्कि दृढ़ विश्वास के साथ सेवा करें। आईए हम डर में नहीं, बल्कि विश्वास में आगे बढ़ें।

इस खास पल में, मैं अपने सभी प्रार्थना साथियों, सहयोगियों और सदस्यों से हृदय से अपील करता हूँ कि वे इस परमेश्वर प्रदत बुलाहट में FMPB के साथ खड़े रहें। आपकी प्रार्थनाएँ हमारे मिशनरियों को तब सहारा देती हैं जब कोई उनकी मेहनत को नहीं देख पाता। हृदय को खोलकर आपके दिए गए दान से सुसमाचार उन समुदायों तक पहुँचता है जहाँ पहुँच नहीं है और जिन्हें सेवा नहीं मिली है। आपका साहस हमें परमेश्वर के मिशन में ईमानदारी से लगे रहने के लिए बल प्रदान करती है।

मिशन सिर्फ मिशन क्षेत्रों में काम करने वाले लोग ही आगे नहीं बढ़ाते; यह मसीह के सम्पूर्ण देह के साथ मिलकर आज्ञा मानने से पूरा होता है। जब आप प्रार्थना करते हैं, देते हैं और सहयोग करते हैं, तो आप उस मिशन में सक्रिय भागीदार बन जाते हैं जिसके लिए परमेश्वर ने हमें एक संगति के तौर पर बुलाया है।

इसलिए आईए हम इस नए वर्ष 2026 में और ज्यादा ईमानदारी के साथ प्रार्थना करने, और ज्यादा त्याग करने, और परमेश्वर पर और अधिक भरोसा करने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराएँ, ताकि उनके नाम की महिमा हो और उसके उद्धार करने वाले प्रेम को हमारे देश में हर जगह बताया जा सके।

रेव्ह. विजय प्रसन्ना इसहाक
महासचिव

FMPB हैदराबाद ट्राई–सिटीज आनन्दोत्सव का पहला ऐतिहासिक आयोजन

विश्वास, संगति एवं उदारता का उत्सव

ट्राई –सिटीज में शनिवार, 8 नवंबर को एक खास आयोजन किया गया था, जब FMPB प्रोफेशनल फोरम ने CSI डायसीस कार्यालय परिसर में बसावा चिल्ड्रन एजुकेशन प्रोजेक्ट के सहयोग में अपना पहला कार्निवल आयोजन किया। यह पहल युवा लड़कों को शिक्षा के जरिए आगे बढ़ाने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए बनाई गई थी और यह कार्निवल एकता, उदारता और विश्वास का एक जीवंत सबूत बन गया।

इस आयोजन का उद्‌घाटन यूनाइटेड पीपल्स फेलोशिप की सिस्टर जॉय चेरियन ने प्रार्थना के साथ किया और इसमें कलीसिया, प्रार्थना दल, परिवार और अन्य लोग शामिल हुए जो इस काम में मदद करने के लिए उत्सुक थे। खुशी के माहौल में अलग–अलग तरह के व्यंजनों के स्टॉल और मजेदार नीलामी हुई, जहाँ हिस्सा लेने वालों ने उत्साह के साथ बोली लगाई और दिल खोलकर दान दिया।

सतपुड़ा क्षेत्र के मिशनरी रेव्ह. सुनील कुमार वसावा का वक्तव्य बहुत ही विशेष थी, जिसमें उन्होंने वसावा लोगों के बीच FMPB मिनिस्ट्री और उनके बच्चों की आवश्यक जरूरतों के बारे में बताया। उन्होंने जोर दिया कि उनके बदलाव के लिए शिक्षा जरूरी है, जिससे वहाँ मौजूद लोगों को नए उत्साह के साथ इस काम में सहयोग करने की प्रेरणा मिली।

आनन्दोत्सव का हर पल परमेश्वर की महिमा करने और वासावा बच्चों की पढ़ाई–लिखाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए समान समर्पण लोगों में दिखाई दे रहा था। एक साथ देने की की भावना ने इस आयोजन को सिर्फ एक वित्त संचयन से कहीं ज्यादा बना दिया – यह काम में विश्वास का जश्न बन गया।

आनन्दोत्सव की सफलता उन समर्पित अगुवों और स्वयं सेवकों की वजह से सम्भव हो पाया जिन्होंने पर्दे के पीछे कठिन परिश्रम किया। तार्किक योजनाओं से लेकर हर एक गतिविधियों का संचालन करने तक, उनके कीमती योगदान ने यह निश्चय किया कि प्रत्येक विवरण आसानी से पूरी हो। उनके समर्पण ने सेवक नेतृत्व की मिशाल पेश की, जिससे दूसरों को भी सेवा में हाथ बटाने की प्रेरणा मिली।

आनन्दोत्सव का मुख्य केन्द्र में शुक्रिया अदा करने की भावना थी। मौजूद लोगों ने परमेश्वर की अगुवाई और मदद के लिए परमेश्वर की प्रशंसा की, और माना कि इस आयोजन की कामयाबी उसकी महिमा के लिए थी। आनन्दोत्सव एक जबरदस्त स्मरणीय था कि जब परमेश्वर के लोग विश्वास में एक होते हैं, तो शानदार परिणाम मिलते हैं।

पहली बार FMPB ट्राई–सिटीज आनन्दोत्सव सिर्फ एक आयोजन नहीं था, यह दया, एकता और विश्वास का एक आन्दोलन था। वासावा बाल शिक्षा योजना की सहयोग करके, समाज ने दिखाया कि शिक्षा एक ऐसा तोहफा है जिसमें इन्वेस्ट करना चाहिए। इस मेले की सफलता भविष्य की पहलों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करती है, जिससे यह निश्चित होता है कि युवा जीवन को सशक्त बनाने का दर्शन फलता–फूलता रहे।

–FMPB परिवार, सिकंदराबाद

बांदे दुर्गकोंडाल

छत्तीसगढ़

संक्षिप्त अवलोकन

छत्तीसगढ़, भारत का नौवाँ सबसे बड़ा राज्य है, जिसकी आबादी लगभग 30 मिलियन है। यह सात राज्यों से घिरा है और 1 नवंबर 2000 को रायपुर को अपनी राजधानी बनाकर एक अलग राज्य बना। उत्तर और दक्षिण में पहाड़ी इलाके हैं, जबकि बीच के मैदान उपजाऊ हैं। गौरलाता इसकी सबसे ऊँची जगह है। यह राज्य में भारत का तीसरा सबसे बड़ा जंगल इलाका है। छत्तीसगढ़ में 33 जिले हैं, जिनमें बस्तर, कांकेर और सरगुजा जैसे बड़े आदिवासी इलाके शामिल हैं। छत्तीसगढ़ भारत के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है। यह खनिजों में बहुत अमीर है, इसके पास कोयले का तीसरा सबसे बड़ा रिजर्व है, और यह बिजली, कोयला और स्टील का एक बड़ा उत्पादक है। खेती एक मुख्य काम बना हुआ है, जिसमें चावल, मक्का, बाजरा, दालें और तिलहन जैसी मुख्य फसलें उगाई जाती हैं।

नॉर्थ–ईस्ट के पहाडी राज्यों को छोडकर, छत्तीसगढ में किसी भी राज्य में अनुसूचित जाति (ST) की आबादी सबसे ज़्यादा है, जो भारत में STs का लगभग 10% है। आदिवासी राज्य की आबादी का एक जरूरी हिस्सा हैं और अधिकतर बस्तर और दक्षिणी छत्तीसगढ के दूसरे जिलों के घने जंगलों में रहते हैं। छत्तीसगढ़ कर्मा डांस के लिए जाना जाता है, जिसे गोंड, बैगा और उराँव जैसे आदिवासी वसंत का स्वागत करने के लिए करते हैं। हिंदू धर्म यहाँ का मुख्य धर्म है। यहाँ गुरु घासीदास को मानने वाले सतनामी समुदाय की आबादी काफी ज्यादा है। इस्लाम शहरी इलाकों में ज्यादा है, और सरगुजा के आदिवासियों में ईसाई धर्म आम है।

कुछ इलाकों में जादू–टोने (टोनही) में विश्वास आज भी है; इसलिए टोनही अत्याचार निवारण एक्ट, 2005 बनाया गया ताकि डायन–बिसाही को रोका जा सके। छत्तीसगढ़ आदिवासी परंपराओं, प्राकृतिक संसाधनों, खेती और तेजी से हो रहे औद्योगिक विकास का एक अनोखा मेल है। इसके जंगल, संस्कृति और विरासत भारत के हृदय में इसकी पहचान बनाते हैं।

बांदे और दुर्गकोंडल में हमारी सेवकाई

बांदे: बांदे कांकेर जिले का तहसील प्रधान कार्यालय है। उत्तरी बस्तर कांकेर में मौजूद दुर्गुकोंडल, एक कल्चरल रूप से जिंदादिल गाँव है जो अपनी ट्राइबल डायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। तहसील में 150 गाँव हैं, जिनमें ज्यादातर उराँव, कंवर और बिंझवार जन जाति के लोग रहते हैं। यहाँ आम तौर पर छत्तीसगढ़ी, हिंदी, गोंडी और हल्बी भाषाएँ बोली जाती हैं। FMPB ने 2018 में बांदे में अपनी सेवकाई शुरू की थी। यहाँ पर सेवा करने वाले अग्रगामी मिशनरी रेव्ह. विजयन और श्रीमती जेबारोज थे। इस क्षेत्र का शुरुआती सर्वेक्षण टी. विजयन, बाबूजी मुर्मू, कुलदीप सिंह और स्थानीय प्रचारक की एक टीम ने किया था।

दुर्गकोंडल: दुर्गकोंडल कांकेर जिले की तहसीलों में से एक है। दुर्गकोंडल क्षेत्र का सर्वेक्षण अल्लापल्ली, एट्टापल्ली और बांदे मिशन क्षेत्र के मिशनरियों – भाई अरविंद वासावे, भाई कुलदीप सिंह, भाई बाबूजी मुर्मू और भाई होसेन जेराई – ने 28 और 29 दिसंबर 2022 को किया था। दुर्गकोंडल बांदे मिशन क्षेत्र से 64 कि.मी. दूर है।

ये मिशन क्षेत्र मध्यवर्ती अंचल के डेक्कन क्षेत्र में हैं। यहाँ के मुख्य लोगों में माड़िया, अबुज माड़िया और राज गोंड शामिल हैं। इनमें से, माड़िया जनजाति, जो माड़िया भाषा बोलती है, खास तौर पर सुसमाचार को मानती है। यह इलाका महाराष्ट्र में हमारे एटापल्ली इलाके के भी पास है।

इस इलाके में 301 गाँव, 1 कस्बा और 34,152 घर हैं। यहाँ की शिक्षा दर 57% है। यहाँ के लोग ज्यादातर एनिमिस्ट (आत्मा की पूजा करने वाले) हैं। ज्यादातर गाँवों में डॉक्टर नहीं हैं और कोई प्राथमिक स्वस्थ्य केन्द्र भी नहीं है।

पुरुष और महिलाएँ ज्यादातर किसान और मजदूर के तौर पर काम करते हैं। कुछ ही बच्चे स्कूल जाते हैं, जबकि बाकी जानवरों को चरने का काम करते हैं। यह समुदाय नक्सलवाद और माओवाद से बहुत ज्यादा प्रभावित है। बहुत से लोग यीशु मसीह को सिर्फ एक चंगाई देने वाला और बुरी आत्माओं से बचाने वाला मानते हैं।

रोमन कैथोलिक और पेंटेकोस्टल ग्रुप्स ने पहले भी यहाँ सेवा की है। लोग सुसमाचार के लिए खुले और अनुकूल हैं, और बहुत कम लोग विरोध करते हैं।

प्रभावशाली सेवकाई के तरीकों में शामिल हैं: फिल्म प्रोग्राम, पर्सनल इवेंजलिज्म और चंगाई सेवा।

इस इलाके में सेवकाई की चुनौतियों में शामिल हैं: तान्त्रिक, गाँव के पुजारी, आदिवासी नेता, PESA कानून के समर्थक और शादी से पहले साथ रहने जैसे कल्चरल रिवाज, बाल विवाह, और इंसानी बलि की समस्याएँ।

सुसमाचार का प्रभाव: एटापल्ली मिशन क्षेत्र की एक विश्वासी चिन्नी गोटा के जरिए सुसमाचार में एक जबरदस्त सफलता मिली। वह अपने भाई के नए जन्मे पोते के अंतिम संस्कार के लिए हेट्टाडकासा गाँव गई थी। बच्चे के पिता भी अंतिम संस्कार के दौरान बेहोश हो

"परन्तु जिस नगर में मैंने तुमको बंदी कराके भेज दिया है, उसके कुशल का यत्न किया करो, और उसके हित के लिए यहोवा से प्रार्थना किया करो। क्योंकि उसके कुशल से तुम भी कुशल के साथ रहोगे।" – यिर्मयाह 29:7

गए थे। दया से भरकर, चिन्नी गोटा ने परिवार से कहा: "तुम यीशु के बिना क्यों मर रहे हो?हमें देखो–हम भी यीशु के बिना मर रहे थे, परन्तु अब हम बच गए हैं।"
उसकी बातें उनके दिलों को छू गईं। उसके भाई का पूरा परिवार–अपने बेटों के परिवारों और रिश्तेदारों के साथ–उसके गाँव, रेखनार आया, और प्रार्थना सभा में शामिल हुआ। उन सभी ने प्रभु में अपना विश्वास जताया, और हेड्डादकासा में एक मंडली बनी। इस गाँव से, सुसमाचार आस–पास के इलाकों में फैला, और आज इस इलाके को बांदे फील्ड के नाम से जाना जाता है।

प्रार्थना करें

1. अंधविश्वास और गलत सांस्कृतिक प्रथाओं का अंत हो।
2. बच्चों को स्कूल जाने और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए।
3. पर्याप्त अस्पताल, प्राथमिक स्वस्थ्य केन्द्र खोले जाएँ।
4. नक्सल और माओवाद का असर खत्म हो।
5. इन लोगों के बीच सुसमाचार तेजी से फैलने के लिए।
6. विश्वासीगण गवाही का जीवन जीएँ और जहाँ भी संभव हो अपने लोगों के साथ सुसमाचार साझा करें।
7. परमेश्वर प्रभावशाली लोगों से मिले, ताकि उनके माध्यम से लोग उनकी अधीनता को स्वीकार करें।
8. जो कोई भी यीशु को चंगा करने वाले और बुरी आत्मा से मुक्ति
9. माडिया गोंड सामूहिक दिलाने वाले के रूप में स्वीकार करता है, वे उसे जीवन का प्रभु के रूप में स्वीकार करें। रूप से यीशु के समूह में शामिल हों।
10. इन ललोगों की जिंदगी को बदलने के लिए परमेश्वर मिशनरी परिवार श्री होसेन जेराई और रेखा चंपिया और उनके बेटे का जोशुआ मार्शल को प्रभावशाली रूप में इस्तेमाल करे।

मिशनरी समर्पण

परमेश्वर के बुलाहट की गवाही देना

परमेश्वर की बड़ी दया से, 16 नवंबर 2025 को सिकंदराबाद के अल्फा और ओमेगा चर्च में मिशनरी समर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वास्तव में यह एक धन्य मौका था जहाँ पाँच मिशनरियों को समर्पित किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम पवित्र आत्मा की अगुवाई में अच्छी तरह से सम्पन्न हुआ। हृदय को छू लेने वाले पलों में से एक था मिशनरियों के जीवन की कहानियाँ सुनना। जब उन्होंने अपने सफर, चुनौतियों और परमेश्वर ने उन्हें जो काम सौंपे हैं, उनके बारे में बताया, तो हमारा दिल भर आया। जब हमने उनकी गवाहियाँ सुनीं। विश्वास, लगन और त्याग की भावना से हमारे हृदय जल उठे। कई लोगों ने मिशनरियों और उनके परिवारों के लिए नियमित रूप से प्रार्थना करने की प्रतिज्ञा की। हम इस पवित्र सेवा का हिस्सा बनने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं।

– **FMPB परिवार**, सिकंदराबाद

FMPB बधाई देती है

नव नियुक्त बिशप को

सी.एस.आई. त्रिची–तंजावुर डायोसीज के बिशप, महा मान्यवर डॉ. एस. शमूएल राजदुरई, परमेश्वर के एक समर्पित सेवक हैं। जिनकी सेवकाई गहरी आस्था, विद्वता और भविष्यवाणी नेतृत्व को दर्शाती है। चर्च ऑफ साउथ की पादरी परंपरा में निहित भारत में, उन्होंने एक प्रेस्बिटर, धर्मशास्त्री, शिक्षक और सामाजिक विचारक के रूप में विशिष्ट सेवा की है। धर्मशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि रखने वाले, उनके विचार पवित्र शास्त्र में मजबूती से जमे हुए हैं और सामाजिक सच्चाइयों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं, विशेष रूप से दलितों, आदिवासियों, किसानों, महिलाओं और हाशिए पर पड़े समुदायों की चिंताएँ।

एक जाने–माने लेखक और रिसर्चर, जमीन, फूड सिक्योरिटी, न्याय और चर्च के बारे में उनकी लिखी बातों ने चर्च और एकेडमी दोनों पर काफी प्रभाव डाला है, और उन्हें जेम्स मैसी सबाल्टर्न स्टडीज अवॉर्ड जैसे सम्मान मिले हैं। एक परामर्शदाता और शिक्षा देने वाले के रूप में, उन्होंने पादरियों और धर्मगुरुओं की कई पीढ़ियों को साफगोई, दया और हिम्मत से बनाया है। बिशप के तौर पर, वे एक चरवाहे के हृदय और एक दूत की आवाज की तरह हैं, जो चर्च को सबको साथ लेकर चलने वाले समुदाय, भरोसेमंद गवाह और बदलाव लाने वाले डायकोनिया की ओर ले जाते हैं। FMPB परिवार उनके जीवन और नेतृत्व के लिए परमेश्वर का शुक्रिया अदा करती है और उनकी बिशप मिनिस्ट्री पर ईश्वरीय ज्ञान, ताकत और कृपा के लिए प्रार्थना करती है, ताकि यह कलीसिया और विस्तृत समाज को आशीर्वाद देता रहे।

महा–मान्यवर डॉ. सेल्वामनी क्रिस्टोफर विजयन सीएसआई कन्याकुमारी डायोसीज के 7वें बिशप हैं, जिन्हें दिसंबर 7 तारीख को पवित्रा और स्थापित किया गया था। 1989 में करोडे में एक कलीसिया के कार्यकर्ता के तौर पर अपनी सेवकाई शुरू की। उन्होंने 2025 तक नेयूर में जिला अध्यक्ष के तौर पर ईमानदारी से काम किया। अपने पुरोहिताई यात्रा के दौरान, उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियाँ निभाईं, जैसे: संचार विभाग के निदेशक सहित सूबा, देसोपाकारी के संपादक, कन्याकुमारी रिट्रीट सेंटर के प्रभारी, और इरेनेपुरम टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के कॉरेस्पोंडेंट आदि। उनके पास मिशन का बहुत अनुभव है, उन्होंने डायरेक्टर के तौर पर काम किया है। सी.एस.आई. धर्मसभा के मिशन और प्रचार विभाग तथा जनरल के रूप में नेशनल मिशनरी सोसाइटी ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी के रूप में भी अपनी सेवा दे चुके हैं। बहुत सम्मानित मिशन, इंजीलवाद और कलीसिया के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, उनके बिशप नेतृत्व के लिए इससे चर्च के डायोसेसन और नेशनल मिशन को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। FMPB परिवार खुशी के साथ उनका स्वागत करती हैं और उनके बिशप के तौर पर डायोसीज और बड़े पैमाने पर चर्च के मिशन में उनकी सेवा को सफल और कामयाब बनाने के लिए प्रार्थना करती है।

– **FMPB परिवार**

भारत की युवा पीढ़ी संकट के कगार पर

प्रार्थना एवं कार्य के लिए आह्वान

रेव्ह. गॉडविन किरुबाकरन
मिशनरी, झारखंड
श्रीमती असीर डैनियल – युवा अगुवा, रेडहिल्स

भारत में 2026 के लिए राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी, 2026 को मनाया जाएगा, जो स्वामी विवेकानंद की जयंती का दिन है। उस दिन से शुरू होने वाले हफ्ते को राष्ट्रीय युवा सप्ताह के नाम से जाना जाता है।

FMPB, जो एक युवा आन्दोलन के तौर पर शुरू हुआ था, भारत की युवा पीढ़ी के लिए मध्यस्थता करने और अपनी अगली पीढ़ी के युवाओं को तैयार करने की जिम्मेदारी उठाती है ताकि मजबूत सेकंड–लाइन लीडरशिप–मिशनरी, प्रार्थना दल के अगुवे और स्कैन लीडर्स बन सकें। हाल ही में इवैंजेलिकल फेलोशिप ऑफ इंडिया (EFI-,एडोर्स्ड सर्वे) से पता चलता है कि मसीही माता–पिता का युवाओं पर मसीह को मानने में सबसे ज्यादा असर होता है, जो आत्मिक जागृति, अगुवे, मित्रों और यहाँ तक कि सोशल मीडिया से भी ज्यादा है।

भारत में दुनियाँ की सबसे बड़ी युवा आबादी है, जिसमें 65% 35 साल से कम उम्र के हैं, फिर भी आज के युवाओं को ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जो पहले कभी नहीं हुई: बेरोजगारी, कम रोजगार, महंगाई, नशे की लत, डिजिटल और स्क्रीन की लत, मानसिक स्वास्थ्य की परेशानियाँ, आत्महत्या और बढ़ता मोटापा। तेजी से हो रहे सामाजिक–आर्थिक बदलाव, टेक्नोलॉजी में बदलाव और नए जीवन शैली का चलन ने शहरी युवाओं की जिंदगी को पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल बना दिया है। भारत जैसे विकासशील देशों में लगभग 87% युवा अभी भी रिसोर्स, हेल्थकेयर, शिक्षा और रोजगार तक सीमित पहुँच के कारण संघर्ष कर रहे हैं।

इस बीच, भारत के 68% युवा (15–29 आयु) गाँव के इलाकों में रहते हैं। काम की तलाश में बड़े पैमाने पर शहरों की ओर पलायन से गाँव के इलाकों में इनोवेशन और मैनपावर खत्म हो जाता है, फिर भी प्रवासी अक्सर असुरक्षित, कम सैलरी वाली शहरी नौकरियों में चले जाते हैं। बेरोजगारी सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है, 36% युवा (15–34 वर्ष) इसे भारत की सबसे बड़ी समस्या मानते हैं। अप्रैल 2025 की मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि 2024 में IIT बॉम्बे के 36% ग्रेजुएट बिना नौकरी के रह गए, और कुल मिलाकर, भारत के 80% से ज्यादा बेरोजगार युवाएँ हैं, जिनमें युवतियाँ सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

ड्रग्स का गलत इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है – 1.58 करोड़ किशोर (10–17 वर्ष) शराब, गांजे या ओपिओइड्स की लत से जूझ रहे हैं। ज्यादा समय तक स्क्रीन और सोशल मीडिया के इस्तेमाल से इमोशनल दूरी, सुस्तीपन और गुस्सा आ रहा है। मानसिक स्वस्थ बिगड़ रही है: 50% से अधिक युवा (18–24वर्ष) खराब मानसिक स्वस्थ की बात करते हैं, और 30 साल से कम उम्र के लोगों में 41% सुसाइड्स के होते हैं। पोषण विहीन भोजन और सुस्त जीवन शैली की वजह से शहरी मोटापा भी बढ़ रहा है।

भारत के युवाओं के लिए प्रार्थना

बेरोजगारी एवं अल्परोजगार

1. परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह युवाओं के लिए अच्छी नौकरियाँ दे, ताकि उन्हें काम में इज्जत मिले (सभोपदेशक 3:13)। 2. परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह भारत की आर्थिक स्थिति को आशीर्वाद दे और ग्रामीण इलाकों में स्थानीय कौशल विकास, उद्यमशीलता एवं नई खोज के लिए द्वार खोले। 3. उन युवा महिलाओं के लिए मध्यस्थता करें जिन्हें नौकरी से बहुत ज्यादा बाहर रखा गया है, ताकि रुकावटें खत्म हों और समान अवसर प्राप्त हों।

नशीली दवाओं एवं पदार्थों की लत

4. शराब, ड्रग्स और नुकसानदायक चीजों में फँसे युवाओं की छुटकारे के लिए प्रार्थना करें (यूहन्ना 8:36)।

5. परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वे परिवारों, चर्चों और समुदायों को शरण और उपचार की जगह बनने के लिए मजबूत करें।

6. बच्चों और किशोरों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें, ताकि उन्हें नशे की लत से जल्दी बचाया जा सके।

सोशल मीडिया एवं स्क्रीन की लत

7. प्रार्थना करें कि युवा लोग टेक्नोलॉजी का समझदारी से इस्तेमाल करें और इसके गुलाम न बनें (1कुरिन्थियों 6:12)। 8. परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह परिवारों और मित्रों के बीच सच्चे रिश्ते फिर से बनाए, अलगाव और अकेलेपन को दूर करे।

मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक कल्याण

9. चिंता, अवसाद और परेशानी से जूझ रहे युवाओं की चंगाई और शांति के लिए प्रार्थना करें (फिलिप्पियों 4:7)।

10. परिक्षाएँ और प्रतिस्पर्द्धा के दबाव में रहने वाले छात्रों के लिए मध्यस्थता करें, ताकि उन्हें मसीह में बल मिल सके। 11. कलीसियाओं के लिए प्रार्थना करें कि वह एक दयालु सपोर्ट सिस्टम के तौर पर उभरे, जो युवाओं को उम्मीद और हिम्मत प्रदान कर सके।

आत्महत्या की समस्या

12. भारत के युवाओं में निराशा और हताशा की भावना के खिलाफ प्रार्थना करें (भजन 34:18)।

13. परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वे उन परिवारों को दिलासा दें जिन्होंने आत्महत्या के कारण अपने बच्चों को खो दिया है और उन्हें फिर से बसने में मदद करें।

14. कमजोर स्टूडेंट्स तक पहुँचने के लिए जागरूकता, परामर्श और हस्तक्षेप कार्यक्रमों के लिए प्रार्थना करें, विशेषकर कोटा जैसे हाई–प्रेशर एकेडमिक हबों में।

मोटापा एवं जीवनशैली संबंधी चुनौतियाँ

15. खाने–पीने की चीजों में समझदारी और जीवन शैली में अनुशासन के लिए प्रार्थना करें (1कुरिन्थियों 10:31)।

16. परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह युवाओं को बुरी आदतें छोड़ने और पवित्र आत्मा के मंदिर के रूप में अपने शरीरों की देखभाल करने में मदद करे।

हम कर रहे हैं

भर्ती

मीडिया कर्मी

आवश्यकता:
कैमरों को संभालने में कुशलता
अंतिम कार्यसाधक ज्ञान
कट प्रो (FCP), एडोब प्रीमियर प्रो, एवं आफ्टर इफेक्ट्स

ग्राफिक डिजाइनर

आवश्यकता:
Adobe में अच्छी जानकारी
फोटोशॉप, इनडिजाइन, एवं कॉरल ड्रॉ

स्थान: अंबत्तूर, चेन्नई
प्रकार: पूर्णकालिक
अनुभव: कम से कम 5 वर्ष
योग्यता: नया जन्म का अनुभव

आवेदन कैसे करें: कृपया अपना रिज्यूमे यहां भेजें:
communication@fmpb-org] media@fmpb-org
संपर्क: 98419 73020

प्रभु यीशु, हम भारत के युवाओं को आपके सामने उठाते हैं। हम घोषणा करते हैं कि वे सिर्फ आँकड़े नहीं हैं, बल्कि आपके प्यारे बच्चे हैं – जिन्हें मकसद, किस्मत और दिव्य क्षमता के साथ बनाया गया है। नशे, बेरोजगारी, निराशा और अस्वस्थ जीवन की हर जंजीर को तोड़ दें। उन्हें अपनी उम्मीद, ज्ञान और ताकत से भर दें। एक ऐसी पीढ़ी तैयार करें जो अपनी पढ़ाई, काम, परिवार और समाज में आपकी बड़ाई करें। भारत के युवा देशों के लिए रोशनी बनें, और मसीह के प्रेम और सच्चाई को जीवन के हर क्षेत्र में ले जाएँ। आमीन।

आभार / स्रोत

◆ CLFA यूथ मूवमेंट द्वारा ईसाई युवाओं के बीच युवा मुद्दों पर सर्वे को मंजूरी दी गई EFI द्वारा ◆ https://share-google/AzlÜ18voryF9OAKhV

विज्ञान प्रदर्शनी

सेंट थॉमस इंग्लिश हाईयर सेकेंडरी स्कूल, झावड़ा

हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा और विश्वास से, हमारे स्कूल ने 25/11/2025 को साइंस एग्जिबिशन ऑर्गनाइज की। इसका मकसद स्टूडेंट्स में साइंटिफिक लर्निंग, क्रिएटिविटी और प्रैक्टिकल नॉलेज को बढ़ावा देना था। प्रदर्शिनी का उद्‌घाटन हमारे प्रिये चीफ गेस्ट रेव्ह.गोवथम माला सर, CNI चर्च, झावड़ा के पादरी, स्कूल प्रिंसिपल और टीचर्स ने किया। सेवा निवृत विज्ञान की शिक्षिका श्रीमती एम. माला रूबन सहिबा और हमारे स्कूल के भूतपूर्व छात्र श्री डेविड सर को जज के तौर पर बुलाया गया था। मुख्य अतिथि और जजों ने पार्टिसिपेंट्स से बातचीत की और जानकारी देने वाले और नए मॉडल और प्रोजेक्ट बनाने में उनकी प्रयासों की तारीफ की। अलग–अलग कक्षाओं के छात्रों ने दल बनाकर अन्वेषण का कार्य किया, अपने प्रोजेक्ट तैयार करके प्रस्तुत किए। उनकी क्रिएटिविटी, जोश, कड़ी मेहनत और साइंटिफिक नॉलेज उनके मॉडल्स में साफ दिखाई दे रही थी। शिक्षकों ने पूरी तैयारी के दौरान निर्देश और तरीका बताए। आस–पास के स्कूलों के शिक्षक और छात्र पेश किए गए क्रिएटिव तरीकों से प्रभावित हुए। कई लोगों ने छात्रों के आत्मविश्वास और वार्तालाप के कौशल की तारीफ की। विजिटर्स ने साकारात्मक प्रतिक्रिया दिया और कहा कि प्रदर्शनी ने छात्रों को विज्ञान की व्यावहारिक जानकारी पाने में मदद की। कुल मिलाकर, विज्ञान प्रदर्शनी सफल, उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रही और छात्रों को अपना अद्वितीय प्रतिभा और साइंटिफिक क्यूरियोसिटी / नॉलेज दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान किया।

प्रधानाचार्य – **श्री हरि बाबू**, संतथॉमस इंग्लिश हाईयर सेकेंडरी स्कूल, झावड़ा

1 जनवरी
गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्री कोंका गिरी बाबू, श्री जिन स्वाम
श्री मीनुगा अड्डेप्पा मैथ्यू
श्रीमती सरिता पौल चौधरी राजेश
श्री हेबेल हेम्ब्रोम

जम्मू

आर.एस.पुरा, सांबा एवं जम्मू:

सुरकर रमेशबाई एवं गवित सुनीताबेन, विद्युत कुमार सिंह एवं सुचित्रा लिम्मा

स्तुतिः राजी और उनके परिवार नियमित रूप से चर्च की आराधना में जाते हैं और कई लोग मसीह में विश्वास करने लगे हैं। कुछ लोगों के लिए जिन्होंने पहली बार खुले और दिल से सुसमाचार को सुना। गुड्डुरानी को किडनी की बीमारी से चंगाई मिली और नेहा देवी को पवित्र आत्मा के द्वारा मुक्ति मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि रेडिया, पोंगवाल, विजयपुर, कुलियान, सुंगवली और अकनूर में अत्याचार खत्म हो और पूजा हो सेवाएँ पूरी तरह से बहाल की जाएँ। कमलेश देवी, सोनिया देवी और अंकित कुमार को शैतानी बंधन से मुक्ति मिले। वर्षों से इन्तजार कर रहे निशा और सुनीता को संतान सुख प्राप्त हो। विरोध पर रोक लगे और RS पुरा और जम्मू में सुसमाचार को आगे बढ़ाने के लिए द्वारे खुलें, जिससे कई लोगों को मसीह में विश्वास हो।

रामनगरः

जॉन एजुंग एवं लिबेनी जैमी

स्तुतिः कन्ना, कोठारी, लथना और कनाला गाँवों में पहली बार सुसमाचार प्रचार किया गया। परमेश्वर की अगुवाई में तीन गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। समीर और महाशा लोगों के ग्रुप परमेश्वर की कृपा से कइ लोग हमारे सम्पर्क में आए हैं जो मसीह वचन को फैलाने में उनकी ईमानदारी और आशीर्वाद को दिखाता है।

प्रार्थनाः राजेंद्र, जो डिप्रेशन से जूझ रहे हैं, उन्हें प्रभु से पूरी तरह शांति मिलने के लिए प्रार्थन करें। अनीता के परिवार के लिए प्रार्थन करें कि वे अपने आस–पास के समाकिज दबावों को पार करते हुए, मसीह में अपने विश्वास को हिम्मत से कबूल करें। थप्पल गाँव में ईसाइयों का विरोध खत्म हो और प्रभु रामनगर में आराधना सेवा को मजबूती से शुरू करने के लिए एक सही जगह और एक समर्पित मिशन वर्कर दें, ताकि बहुत से लोग मसीह को जान सकें।

2 जनवरी
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती महाले यमनबेन मानसिंह
श्री मुन्ना मोहेंदियार
श्री राऊत सुभाषभाई लहनूभाई
श्री उपदेश कुमार

बशोली:
अरुण घंटा एवं रेणु घंटा

स्तुतिः पर्सनल इवेंजलिज्म एवं आउटरीच मिनिस्ट्री के जरिए बहुतों के साथ सुसमाचार का प्रचार किया गया और सुनने वालों को परमेश्वर ने अगुवाई की और उन्हें मजबूत किया। रविंदर को मानसिक बीमारी और मिर्गी से चंगाई मिली। जब गॉस्पेल टीम के सदस्य सेवा कर रहे थे, तो प्रभु की सुरक्षा उन पर थी, और वे सताने वालों के हाथों से सुरक्षित रहे।

प्रार्थनाः बुरी आत्माओं और जादू–टोने के चंगुल में फँसे लोगों को मुक्ति मिले और विरोध खत्म हो। पिलायिल में आराधना सेवा, जो विरोध के कारण रोक दी गई थी, उसे फिर से शुरू किया जाए। प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासीगण अपने विश्वास में पक्के और मजबूत बने रहें।

धारः लुंजलाल सोंगथत एवं मैरी नेंगनेइकिम

स्तुतिः धनसिंह सुसमाचार सुनने के लिए बहुत तैयार है और कई लोग हाल ही में इट्टेडी इलाके में शुरू हुई रविवार की आराधना में खुशी के साथ हिस्सा ले रहे हैं। बिमल प्रकाश, जो लकवा से परेशान था, अब चल सकता है, यह लगातार प्रार्थनाओं से मिली आशीष का परिणाम है।

प्रार्थनाः मक्कानसिंह और देशराज के परिवारों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने बड़े उत्साह के साथ सुना है, उन्हें पूरे ह्रदय से मसीह में उद्धार करने वाले विश्वास की ओर ले जाया जाए। गाँव के मुखियाओं से हमारे मिशनरियों को बाबर, थाटवान, कट, मट्टी, कादी, दुनेरा और रानीपुर गाँवों में सुसाचार का प्रचार करने और अंदर आने की इजाजत मिलने के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासी रवि के लिए प्रार्थन करें जो अपने मसीही धर्म के विरोध के बावजूद, अपने विश्वास के लिए हिम्मत के साथ रहे।

उसने मृत्यु पर विजय पाई

झारखण्ड के हंसदिहा मिशन क्षेत्र में लूसिया चर्च के एक चर्च एल्डर, होपना मरांडी, लगभग एक साल से लगातार बीमार थे। पिछले महीने, बहुत ज्यादा मेडिकल इलाज के बावजूद, उनकी हालत बिगड़ गई, और डॉक्टरों ने उम्मीद छोड़ दी। एक असिस्टेंट डॉक्टर ने परिवार को बताया कि वह मरने वाले हैं और उन्हें घर ले जाने की सलाह दी, और 10,000 रुपये मांगे। होपना की पत्नी के पास सिर्फ 4,000 रुपये थे, जो उसने उन्हें घर लाने से पहले दे दिए। गाँव वालों ने परिवार का मजाक उड़ाया, और कहा कि अब वह चर्च की आराधना नहीं करेंगे। इस बुरी हालत में, हमारे मिशनरी ने परिवार के साथ दो दिन तक उपवास और प्रार्थना की। परमेश्वर ने उनकी पुकार सुनी और चमत्कारिक रूप से होपना मरांडी को चंगाई दी। आज, वह एक बार फिर पहले की तरह बड़े उत्साह के साथ कलीसिया की आराधना का संचालन कर रहे हैं। हालेलुया! "चाहे मैं घोर अंधकार से भरी हुई तराई में होकर चलूँ, तौभी हानि से न डरूँगा; क्योंकि तू मेरे साथ रहता है।"

3 जनवरी शनिवार

हिमाचल प्रदेश

थानेधार:

जेबर्सन बी एवं गायत्री

स्तुतिः 40 से ज्यादा युवाओं ने युवा शिविर में भाग लिया और उन्हें बहुतायत का आशीर्वाद मिला। कई विश्वासियों ने भी इस शिविर में जोश के साथ हिस्सा लिया और एक व्यक्ति ने सबके सामने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता मानकर उस पर अपना विश्वास को प्रगट किया। प्रभु ने मिशनरियों को एक तेंदुए से बचाया, जिसका सामना मिनिस्ट्री से लौटते समय हुआ था और परमेश्वर ने हमारे विश्वासियों और मिशनरियों को कड़ाके की ठंड से सुरक्षित रखा।

प्रार्थनाः थानेधर मिशन क्षेत्र के हुड्डू हिलॉक आने वाले तीर्थ यात्रियों के बीच स्पिरिचुअल ट्रैक्ट वितरण के लिए प्रार्थना करें जो हुड्डू हिलॉक से 20 किमी दूर है ताकि जो लोग उन्हें पढ़ें, वे जीवित परमेश्वर तक अपना रास्ता पा सकें। प्रार्ािन करें कि इस क्षेत्र में आराधना सेवा शुरू की जाए। संजय के परिवार को उनकी माँ के निधन पर और अंजू के परिवार को, जो कैंसर से जूझते हुए गुजर गईं, सांत्वना देने के लिए, ताकि वे अपने विश्वास पर अडिग रहें।

रिकोंगपिओः शंकर ए. एवं दुर्गा देवी/रूथ मैरी

स्तुतिः मारिशमैन, जो कभी शराब की लत से बंधा हुआ था परमेश्वर की अनुग्रह से चंगाई मिली। निर्मला, जिन्हें मेडिकल इलाज के बावजूद लगातार सिरदर्द और बुखार से कोई आराम नहीं मिला, उन्हें प्रार्थना से आराम मिला; और राज और सीता के परिवार अब खुशी के साथ आराधना में शामिल हो रहे हैं, और परमेश्वर की मउपस्थिति में आनन्दित हैं।

प्रार्थनाः रामप्रिया के लिए प्रार्थना करें जो अपनी एड़ी में मोच के कारण तेज दर्द से पीड़ित है, प्रभु उसे स्पर्श करे और पूरी तरह ठीक हो जाए तथा उसकी ताकत वापस आ जाए; चंद्रमोहन के लिए प्रार्थना करें जिसने पाँच लाख का लोन लिया था और सालों तक चुका न पाने के बाद, अब उस पर कानूनी कार्रवाई चल रही है, जिसकी रकम बढ़कर चालीस लाख हो गई है, परमेश्वर उसे रास्ता दिखाए, प्रभु की कृपा उस पर हो, वह उसे ज्ञान दे, दया करे और नियंत्रण करे और इस मुश्किल हालात का हल निकाले।

चमत्कार करने वाले

महाराष्ट्र के इगतपुरी मिशन क्षेत्र के तालेगाँव ग्राम की एक विश्वासिनी अनीता ने अपनी छोटी बेटी की सगाई की रस्म व्यवस्था की थी। 250 मेहमानों के लिए खाना तैयार किया गया था, परन्तु सेलिब्रेशन के लिए करीब 500 लोग आ गए। कन्फ्यूज्ड और परेशान अनीता ने पके हुए चावल में से एक मुट्ठी ली, उसे आसमान की तरफ उठाया और प्रार्थना की, "परमेश्वर, इस खाने पर आशीर्वाद दे।" चमत्कार करने वाले परमेश्वर दया करके खाने को इतना बढ़ा दिया कि सबने खाया और खुश हो गए। हालेलुयाह! वही परमेश्वर जिसने पाँच रोटियाँ और दो मछलियों से पाँच हजार लोगों को खिलाया था, आज भी जिंदा है और कार्य करता है।

4 जनवरी रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती आइवी मार्गरेट निकोलसन
श्रीमती बगियाम कॉर्नेलियू
श्री पुम्सोनचिन
श्री लाल किशोर मुर्मू

ज्योरीः

जामखोंगम हाओकिप एल एवं आइरीन लेथेनमुओंग हाओकिप

स्तुतिः रवि, जो एक एक्सीडेंट में बुरी तरह घायल हो गया था, उसे मेडिकल ट्रीटमेंट के द्वारा चंगाई मिली और सांथा को परमेश्वर की शक्ति से बुरी आत्मा के बंधन से छुटकारा मिली तथा छत्तीस गाँवों में बिना किसी रुकावट के रात्रि सभाएँ आयोजित की गईं तथा और एक प्यारी आत्मा ने यीशु मसीह को अपने जीवन का व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि अमृता को दिल की बीमारी से पूरी तरह चंगाई मिले, दिमाग की खून की नसों में सूजन से परेशान शांता परमेश्वर का चमत्कारी स्पर्श महसूस करे, हीरालाल के भाई की सर्जरी के लिए पैसे की जरूरतें पूरी हों; डिप्रेशन से परेशान को परमेश्वर चंगाई दे और उसे शांति मिले।

रोहडू एवं नेरवाः

इम्मानुएल एस. एवं संगीता जेसिंथा

स्तुतिः निशा, कल्पना और आकांक्षा को प्रार्थना के द्वारा शैतानी बंधन से छुटकारा मिला; एक स्वयं सेवक ने दियूनी इलाके में चर्च बनाने के लिए अपनी जमीन दान कर दी; चार गाँवों में सुसमाचार का प्रचार जोर–शोर से किया गया; परमेश्वर ने हमारे शिनरी को हाथ के फ्रैक्चर से चंगाई दी और हमारे चर्च के युवा उत्साह के साथ पिरमेश्वर के राज्य के काम में शामिल हो रहे हैं।

प्रार्थनाः रेखा, पूजा, पूनम और केसदा को बुरी आत्माओं के कब्जे से मुक्ति मिले। हमारे मिशनरियों द्वारा मनोटी गाँव में आराधना दल शुरू करने का प्रयास को परमेश्वर सफल करे और यह आराधना स्थिर रूप से चलने पाए। रोहुर और नर्वा इलाके के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे बिना चूके रविवार की आराधना में पूरी ईमानदारी और उत्साह के साथ हिस्सा लें; रंजू को मिर्गी और मनीषा को माइग्रेन से चंगाई मिले; बरनू गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे विरोध के बावजूद अपने विश्वास पर अडिग रहे; प्रभु हमारे स्थानीय प्रचारक सिकंदर के परिवार और हमारे मिशनरी इम्मानुएल के परिवार को परमेश्वर संतान सुख प्रदान करे।

5 जनवरी सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सुरेश मालतो
श्रीमती इवांजेलिन सामराज
सुश्री ल्हिंगनेइचोंग

रामपुरः

दाऊजापाओ गुईटे एवं फ्लोरेंस लामवुंग

स्तुतिः विश्वासियों ने दो जगहों पर हुई उपवास प्रार्थनाओं में उत्साह से भाग लिया और हृदय से प्रार्थना की; कलारमनी को पैर के तेज दर्द से और अर्जुन, रेखा और शिमला को सीने के दर्द से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली; हमारे सम्पर्क में नई आई अमृता को प्रार्थना के द्वारा बुरी आत्मा से छुटकारा मिला;चर्च के एडमिनिस्ट्रेटर खुशी आनन्द और ईमानदारी से उन्हें सौंपे गए काम में लगे हुए हैं।

प्रार्थनाः मायादेवी के लिए प्रार्थना करें जो पिछले दो महीनों से पेट दर्द से परेशान है उन्हें पूरी तरह ठीक हो; अमृता, रेखा और सुनीता के पतियों के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करे। एक छोटे लड़के, नक्स, के लिए प्रार्थना करें जो शैतानी बंधन के कारण खुद को नुकसान पहुंचाता है छुटकारा पाए। प्रार्थना करें कि एवेरा और कशाबाथ इलाकों में चर्च बनाने के लिए सरकार की ओर से अनुमति प्राप्त हो।

पंजाब

बुधलाडाः

प्रताप रहांग एवं रश्मि प्रवाह

स्तुतिः अमीरकर, थुडिया पुटकर और सोतियान गाँवों के लोग बड़े उत्साह के साथ से सुसमाचार सुन रहे हैं; हमारी विश्वासिनी वालिन हरप्रीत सिंह को इंडियन आर्मी में नौकरी मिल गई ह; सुनहरी देवी को प्रार्थना से लंबे समय से नींद न आने की समस्या से आराम मिला; रोहिराम के परिवार की परेशानियाँ हल होने से उन्हें शांति मिली और रमेश कुमार के परिवार को चिकनगुनिया से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि अगामी सत्संग प्रोग्राम बिना किसी रुकावट के हों; अंधेरे में रहने वालों को जीवित परमेश्वर की रोशनी मिले; थलवाड़ी, मुनक, बरोटा और बुधलाडा के विश्वासीगण मसीह में मजबूती से जुड़कर आध्यात्मिक रूप से आगे बढ़ें; कालासिंह को खून की उल्टी से चंगाई मिले; दिलप्रीत सिंह को बुद्धि मिले और इंडियन आर्मी में भर्ती होने की परीक्षा में सफल हो; हमारे स्थानीय प्रचारक रामसिंह, स्वयं सेवक सुदेशरानी और जसपाल सिंह को परमेश्वर बहुतायत से इस्तेमाल करें; और ठंड के मौसम में हमारे मिशनरियों और विश्वासियों की सुरक्षा हो।

6 जनवरी
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जेनिस जेबी

मनसाः

देबब्रतो बिस्वास एवं मन्ना सिंह

स्तुतिः दो नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया, जिससे कुछ परिवारों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया; मनसा गाँव में दो दिन का कन्वेंशन बिना किसी रुकावट के हुआ, जिसमें पंद्रह विश्वासियों ने सेवकाई के लिए स्वयं को समर्पित किया; बार परिवारों ने पश्चाताप करके परमेश्वर की ओर फिरे। जसप्रीत सिंह को परमेश्वर की कृपा से सरकारी नौकरी मिल गई। विद्या देवी और उनके पति राजेंद्र सिंह को हार्ट अटैक के बाद चंगाई मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि अगामी सेवकाई की योजनाएँ बिना किसी रुकावट के सम्पन्न हो सके और सुसमाचार का प्रचार के लिए नए द्वार खुले। शेरका शेडावाला, लकी वाला, कामी वाला, बिमरा, सेना और मालसिंह वाला गाँवों में सुसामचार के लिए द्वार खुलने पाए। बोहा और जीनीर में सब–मिशन केन्द्र खोलने की हमारी योजना सफल हो। रामसिंह को सांस लेने में तकलीफ से चंगाई मिले। मनप्रीत कौर और प्रदीप सिंह को डायबिटीज से, अमृत सिंह और दरिया सिंह को एक्सीडेंट में लगे चोट से चंगाई मिलने के लिए और बलदेव सिंह को नशे की लत से छुटकारा मिलने के लिए प्रार्थना करें।

अहमदगढ़ मंडीः

कृपा रक्षणा बर्रे एवं शकिना

स्तुतिः परमेश्वर ने गगनदीप और प्रीति के परिवार को संतान की आशीष दी। परमेश्वर ने हमारे मिशनरी शकीना को जहरीले साँप के काटने से बचाया; परमेश्वर ने हमें एक नए गाँव में सुसमाचार का प्रचार करने में मदद की और अहमदगढ़ चर्च के चारदीवारी का कार्य पूरी करवाई।

प्रार्थनाः रायगट और रोजिता कलीसिया के विश्वासियों केलिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में मजबूत हों, अर्जुन को क्षय रोग से और बलवंध सिंह को खून की उल्टी से चंगाई मिले। जंडाली इलाके में एक नया आराधना दल बनाने में आ रही रुकावटें दूर हो। हमारे मिशनरी कृपा रक्षणा को एक्सीडेंट में लगी चोटों से, उनकी पत्नी शकेना को चिकनगुनिया से और उनकी बेटी कीर्तना को चेहरे पर सफेद दागों से पूरी तरह चंगाई मिले।

7 जनवरी बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री रामेश्वर दयाल निर्मल

मलोट एवं मुक्तसरः

स्टीफन आर. एवं शिवगामी टी.

स्तुतिः परमेश्वर ने सुसमाचार के लिए द्वार खोला और दो गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। हमारे कलीसिया के युवा मनवीर को सही जीवनसाथी ढूँढ़ने में परमेश्वर की अगुवाई मिली। बोलासिंह को प्रार्थना के उत्तर में गले की ट्यूमर से चंगाई मिली जिनकी वजह से आवाज चली गई थी। जसप्रीत कौर को प्रार्थना पर विश्वास करने से सरकारी नौकरी मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि नए विश्वासीगण विरोध के बावजूद अपने विश्वास में मजबूत बने रहें; बिट्टू और जीरा के भटके हुए परिवारों की विश्वास में वापस आने के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासी युवा संदीप, सनी, जसी और मनप्रीत को अच्छी नौकरी मिल; प्रभु पूर्णकालिक सेवा के लिए समर्पित युवाओं को तैयार करें; पतंगागा गाँव में विरोध के कारण रुकी हुई आराधना सेववा फिर से बहाल होने के लिए प्रार्थना करें।

उत्तराखंड

बाजपुरः

क्रिश्चियन प्रकाश एवं कोकणी सुमित्राबेन

स्तुतिः कई लोगों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। दुश्मनी के कारण हमारे विश्वासी तेजसिंह की झोपड़ी में आग लगा दी गई थी, परन्तु परमेश्वर ने उनके बच्चों को बिना नुकसान के बचाया। बुखार और लिवर में सूजन से परेशान मोहिना को परमेश्वर ने प्रार्थना के माध्यम से चंगाई दी। एक गंभीर एक्सीडेंट में घायल सुनील परमेश्वर की कृपा से सुरक्षित बच गया। बुरी आत्मा ने परेशान निथम को प्रार्थना के द्वारा छुटकारा मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि परमेश्वर की इच्छा के अनुसार पन्नाकेड़ा गाँव में चर्च का निर्माण शीघ्र हो सके। निमोनिया से पीड़ित तीन महीने के बच्चे नीदिक की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर समय पर सोनल को एक योग्य जीवन साथी प्रदान करे। प्रार्थना करें कि रमेश सोबेन को पेट की बीमारी से तथा माया बहन और राममोली को आँखों की बीमारी से चंगाई मिले।

8 जनवरी गुरुवार

मलधनचौरः
शिशु पॉल एवं अनीता

स्तुतिः पुशवाड़ा गाँव में सुसमाचार का विश्वास के साथ प्रचार किया गया और बागबंधपुर गाँव में सत्संग सभा का संचालन किया गया। कलीसिया के युवा आध्यात्मिक रूप परिपक्व होते जा रहे हैं। हमारी विश्वासिनी स्वाति को प्रार्थना के द्वारा संतान की आशीष मिली। मालती और राणा कौर को आँखों की बीमारी चंगाई मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि अजय, गीता, प्रतापसिंह, राज कौर और सरदा को यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा उद्धार प्राप्त हो। बिंदरसिंह, कालिदास, सेकर और धर्मपाल को शराब की लत से छुटकारा मिले। अजय और सरधा को बुरी आत्मा की समस्या से छुटकारा मिले। प्रभु हमारे स्थानीय प्रचारक, सिंधरसिंह को अपनी सेवा में मजबूती के साथ सफलतापुर्वक इस्तेमाल करे।

हरियाणा

बरवालाः मिंटू कुटुम एवं सुभ्रा बाग

स्तुतिः कई युवा अगुवों ने आध्यात्मिक सभा में भाग लिया और उन्हें बहुतायत का आशीर्वाद मिला। संजय, जो अपने माता–पिता की बात नहीं मानता था और बुरी दोस्ती के प्रभाव में था, उसकी जिंदगी में एक अहम मोड़ तब आया जब कलीसिया में उसने मन फिराव के लिए हृदय से प्रार्थना की। अब वह नियमित रूप से कलीसियाई आराधना में भाग लेता है और अपने माता–पिता की बात मानने लगा है। उच्च रक्तचाप से परेशान ममता का परमेश्वर की कृपा से सुरक्षित प्रसव हुई।

प्रार्थनाः हमारे विश्वासी मूर्ति, जो गले के दर्द से बहुत परेशान हैं, प्रार्थना करें कि वह पूरी तरह से ठीक हो। नीलम को दिल की बीमारी से मुक्ति चंगाई मिले। हमारे विश्वासी संतोष को अवसाद से चंगाई मिलने और उसके दो बेटों को उनकी माँ से फिर से मिलने और शांति से साथ रहने के लिए प्रार्थना करें।

तोशमः अजय बार्डे एवं शायतुल गहलोत

स्तुतिः महिला सभा में कई महिलाओं ने हिस्सा लिया और उन्हें बहुतायत का आशीर्वाद मिला। अजय का परिवार, जो अलग हो गया था, प्रार्थनाओं के कारण फिर से मिल गए और अब वे एक साथ रह रहे हैं। पूजा को बुरी आत्मा से छुटकारा मिला। महिलाओं की प्रार्थना फेलोशिप चार अलग–अलग जगहों पर हुई, यह सब परमेश्वर की महिमा के लिए था।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि सुनीता को गुर्दे की पत्थरी से चंगाई मिले। हमारे चर्च के युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास में दृढ़ रहें। मुकेश, पूनम, कंधा, सुमित्रा, लक्ष्मी और अक्किल के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता मानें। इस ठंड के मौसम परमेश्वर हमारे विश्वासियों और मिशनरियों सुरक्षा प्रदान करे।

9 जनवरी शुक्रवार

राजस्थान

खेरवाड़ा एवं टीड़ीः

देबाशीष हेम्ब्रोम एवं शेफाली हंसदा

स्तुतिः परमेश्वर ने बसंती बेन को सुरक्षित प्रसव करने में मदद की। जरेश बाई को पेट के तेज दर्द से प्रार्थना के ,ारा चंगाई मिला। शंकर को अवसाद से, दीपिका बेन को टॉइफाइड से और शामू बेन को माइग्रेन से; हमारी विश्वासी नारायण बाई को एक सड़क दुर्घटना से बचाया तथा विरोध के बावजूद भी रविवार की आराधना बिना किसी रुकावट के नियमित रूप से चल रही है।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि गुरजी बेन को पेट के ट्यूमर से, शामू बेन को मुँह के घाव से और नानू बेन को ज्यादा ब्लीडिंग से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि नारायणन और उनकी पत्नी ममता कोजिया चर्च का संचालन करने के लिए आगे आएँ। ममता बेन को सुरक्षित प्रसव के लिए; सोहन लाल, दीपक और शंकर लाल के लिए प्रार्थन करें कि वे यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करें। सभी नियोजित सेवकाईयाँ बिना किसी रुकावट के आगे बढ़े और इन गाँवों में चर्चों को निर्माण हो सके। कोजिया, पाटिया और बदुना के गाँव के मुखियाओं से चर्च का निर्माण करने के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त हो।

दिल्ली

पटपड़गंजः

जॉन डेविडसन सेल्वाराज एवं एस्तेर जी.

स्तुतिः हमारे सम्पर्क में नए आए तीन लोगों ने चर्च की आराधना सेवाओं में आना शुरू कर दिया है; सारिका और इम्मानुएल की शादी की रस्म परमेश्वर की महिमा के लिए की गई; शालू को शैतानी बंधन से छुटकारा मिला; परमेश्वर के अनुग्रह से कलीसिया की वर्षगाँठ सफलतापुर्वक से मनाई गई।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि आशा, संदीप और निक्की अपने विश्वास में स्थिर रहें; प्रार्थना करें कि अलवर बाल भवन शीघ्र ही फिर से खुले और हमारे विश्वासियों के बच्चे बिना किसी रुकावट के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। कल्याणपुरी और सजवन नगर चर्च के विश्वासीगण विश्वास में आगे बढ़ें। प्रार्थना करें कि वेलवेजी हिम्मत के साथ अपने विश्वास को सबके सामने अंगीकार करने और उनके परिवार वालों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

10 जनवरी शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जोशुआ विन्नादुरई एस.
श्री रांजीव आनंद, श्री पौलुस बारजो
श्री रोत्थम रायामणि, श्रीमती हाओजम हिजाम
श्री शांताकुमार जे.

उत्तर प्रदेश

सिकंदरा: वसावा पचियाबाई एवं वसावा सविता बेन

स्तुति: सुनीता और योगेश के परिवार को शादी के तीन साल और बहुत प्रार्थना के बाद एक बच्चे का आशीर्वाद मिला; पच्चीस गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। परमेश्वर की सहायता से तीन जगहों पर महिला सभाएँ और चार जगहों पर बाईबल अध्ययन दल सभा का आयोजन किया गया। हमारे विश्वासी सरवन की बेटी और अमरसंध की बेटी को परमेश्वर की दया से योग्य जीवन साथी मिले हैं।

प्रार्थना: पूजा, ममता और कुट्टी के परिवारों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। मकधोली, कोजापुल और निनाकरा गाँवों में रात्रि सभाएँ शुरू हों; धर्मेंद्र सिंह और अखिलेश नीलम के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे गवाही का जीवन व्यतीत करें। जयवीर और आदर्श को मिर्गी से चंगाई मिले। प्रशिक्षण और सुसमाचार का प्रचार खूब फूले फले।

भरथना: राजन एस. एवं जेबा मलर एस.

स्तुति: उन भक्तों के लिए जिन्होंने मिशन क्षेत्र में हुई तीन दिनों की उपवास प्रार्थना सभा में खुशी के साथ भाग लिया। रामपाल, जिन्हें खेत में काम करते समय एक जहरीले साँप ने काट लिया था, परमेश्वर की कृपा से समय पर इलाज होने से चंगाई पाया। अरजीव को प्रार्थना के द्वारा सुरक्षित प्रसव का आशीर्वाद मिला; सोनन, जो बच्चेदानी की समस्या से परेशान थी, बिना सर्जरी के ठीक हो गई; योगेश बाबू, जिनके दाहिने हाथ में विकलांगता थी, इलाज और प्रार्थना से ठीक हो गया। देवी को शैतानी बंधन से छुटकारा मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि वैसोली और मेहाना चर्च फिर से खुल जाएँ और आराधना फिर से शुरू होने पाए। हमारे स्थानीय प्रचारक की बेटी संध्या को सही जीवनसाथी मिले। हमारे स्थानीय प्रचारक श्याम सुंदर के अदालती मुकद्दमा के लिए प्रार्थना करें की समस्या का जल्द समाधान हो सके। मनीषा और ममता के परिवारों को संतान सुख प्राप्त हो। सुनील और दीक्षा को शैतानी बंधन से मुक्ति मिले। वरनाथ, जिसने अपना पहला बेटा खो दिया है, ईश्वर की शांति मिले। सारधा को अवसाद से और आरती को सीने के दर्द से चंगाई मिले।

11 जनवरी रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जेया हेलेन रोज़ सैल्वाकुमार

कैमगंजः स्टीफन हंसदा एवं सुबासिनी मुर्मू

स्तुतिः धर्मवीर और सरवन सिंह, जो न्यायिक हिरासत में थे उन्हें जमानत मिल गई है। पिंकी और महेशवीर के बेटे की शादी आशीर्वाद के तौर पर हुई। विरोधों के बीच सेवा कर रहे हमारे विश्वासियों को परमेश्वर की दया की सुरक्षा मिली।

प्रार्थनाः हमारे विश्वासी बहादुर को घुटने के दर्द से और शांतिनी को लिवर की बीमारी से चंगाई मिले। बिब्ली और अंजलि को सही जीवनसाथी मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि आने वाली मिनिस्ट्री के सफलतापूर्वक चलने और विश्वासीगण खुशी के साथ इसमें हिस्सा लें।

घाटमपुरः जंगखोलुन तोथांग एवं थियानचिंग होउजेल

स्तुतिः हमारे नए विश्वासी विरोध के बावजूद भी अपने विश्वास पर अडिग हैं। रामसगी और साजन अपने रिस्तेदारों के बीच में गवाही का जीवन जी रहे हैं। आयुष, साजन, शीनू और शिवदेवी को अपने अपने बीमारियों से चंगाई मिली। जेदेवी को बुरी आत्मा के बन्धन से मुक्ति मिली। विश्वासियों की सहायता से घाटमपुर चर्च में अभी मेंटेनेंस और मरम्मत का काम चल रहा है।

प्रार्थनाः हमारे स्थानीय प्रचारक अशोक कुमार और सुरेंद्र कुमार को उन परेशानियों से छुटकारा मिले जो उन्हें परेशान कर रही हैं। सृष्टि, रानी, कमलेश कुमारी और सोराब कुमार को उनकी बीमारियों से चंगाई मिले। घाटमपुर चर्च में मरम्मत का काम बिना किसी रुकावट के आसानी से पूरा हो सके और हमारे मिशनरी के परिवार को प्रभु सहायता प्रदान करे।

बस्तीः श्रीनिवासन जे. एवं शीबा जी.

स्तुतिः इंदिरावती, जो हाई ब्लड प्रेशर से परेशान थीं और जिससे उन्हें लकवा हो गया था, इलाज और प्रार्थना से चंगाई मिली। हमारे विश्वासी के पिता रामराज ने मरने से पहले यीशु मसीह को अपनाया। परमेश्वर की सहायता से देवबर गाँव में विरोध के बीच आराधना जारी है। बस्ती चर्च में आराधना फिर से फिर से शुरू करने की इजाजत मिल गई।

प्रार्थनाः हमारे विश्वासी के बेटे विश्वनाथ के लिए प्रार्थना करें जो गाँव के मुखिया के रूप में सेवा करता है ताकि वह सुसमाचार के काम के लिए अनुग्रह दिखाए। नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए खुला द्वार मिले। जिन गाँवों में द्वितीय चरण की सेवा की जाती है, वहाँ के लोग अपने विश्वास में पक्के और अटल रहे। कलीसिया भवन की मरम्मत का प्रयास सफल हो।

जन्मदिन मुबारक

श्री लौलिन मुईयाँ

बिल्हौर:

लाल किशोर मुर्मू एवं मार्था सोरेन

स्तुतिः हमारी विश्वासिनी रेखा को अपने विवाहित जीवन के कई वर्षों के इंतजार के बाद एक बच्चे का आशीर्वाद मिला। परमेश्वर की दया से सोनिया का सुरक्षित प्रसव हुआ। कई लोगों ने तीन दिनों की उपवास प्रार्थना में उत्साह से हिस्सा लिया। प्रार्थना सभा में देश के लिए हृदय से प्रार्थना की गई। ठंड के मौसम की वजह से मौसमी बीमारियों से बीमार पड़ हमारे विश्वासियों को चगाई मिली।

प्रार्थनाः आने वाली मिनिस्ट्री आसानी से हो। बिनोथ की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो कई सालों से आर्थराइटिस से पीड़ित हैं और मेडिकल इलाज के बाद भी आराम नहीं मिला। राजन के लिए प्रार्थना करें कि बिना किसी सर्जरी के पेट की ट्यूमर से चंगाई मिले। सुभान को परमेश्वर का भय मानने वाला मसीही जीवन साथी मिले।

पुखरायाँ:

संथाकुमार एवं जिंसी

स्तुतिः बच्चों का एक दिवसीय रिट्रीट कार्यक्रम आयोजन किया गया और सफलतापुर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में कई बच्चें ने उत्साहपुर्वक भाग लिया। पूरे दिन की उपवास प्रार्थना सभा में, हमारे देश के लिए प्रभु से सच्चे मन से प्रार्थना की गई। लगातार प्रयास के बाद पुखरायाँ चर्च का डॉक्यूमेंट्स आखिरकार हमें सौंप दिए गए। दैनिक सेवा केन्द्र में नवीनीकरण का काम बिना किसी रुकावट के सफलतापुर्वक पूरा हुआ। चार साल की प्रार्थना और इंतजार के बाद, विकास और रानू को एक बच्चे का आशीर्वाद मिला। चर्च में आयोजित स्वस्थ शिविर में बहुतों ने हिस्सा लिया और लाभान्वित हुए।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि मनसा चर्च कंपाउंड की दीवार बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों से मंजूरी मिले। हमारे चर्च की जमीन का सरकारी अधिकारियों के पास सफल रजिस्ट्रेशन हो। मीनापुर चर्च के सभी विश्वासीगण आराधना सेवाओं में विश्वास के साथ नियमित रूप से भाग लें। बकियावती को क्षय रोग से और शिवानी को अवसाद से पूरी चंगाई मिले। हमारे मिशनरियों और चर्च के कंस्ट्रक्शन के काम पर प्रभु की लगातार सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जिसे सुसमाचार का विरोध करने वालों की ओर से कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

13
जनवरी
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री शैलेन हंसदा

मध्य प्रदेश

उदयनगर:

आर. विल्सन एवं रश्मिता परिडा

स्तुतिः बालासी गाँव में बारह घंटे की उपवास प्रार्थना सफलतापूर्वक आयोजित की गई, साथ ही इमलीपुरा गाँव में कलीसिया के प्राचीनों की प्रशिक्षण सभा हुई। हमारे विश्वासी जेग्राम बाबा की गवाही कई लोगों को मसीह का अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर रही है और प्रभु ने मिशन के क्षेत्र में शांति प्रदान की है।

प्रार्थना: अंजूबाई और राधा बेन को बुरी आत्माओं के बन्धन से छुटकारा मिले। माया बेन को गले के तेज दर्द से चंगाई मिले। जो आराधना दल बंद हो गए हैं वे परमेश्वर की दया से फिर से आरम्भ हो सके। हमारे मिशनरियों की कोशिशें मसीह में फलदायी हो। हमारे दस विश्वासियों पर थोपे गए अदालती मुकद्दमा का जल्दी से अच्छे नतीजे पर पहुँचें।

असम

गोगामुख एवं धखुवाकाना:

डेनसिंह आर. एवं कविता

स्तुतिः जब कियान ज्योति ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता माना, तो उसे अपने पैरों की सूजन और पेट दर्द से ठीक होने का मौका मिला। परमेश्वर ने रेनुसोनी गुर्दे, मानाकि बीमारी और नसों की बीमारी से पीड़ित थी जब वह प्रार्थन संगति में शामिल हुई। कुबांग गाँव में एक नई आराधना दल का गठन किया किया।
प्रार्थना के जरिए, गोसोप मिल्ली को मानसिक बीमारी से और एंथुल कामन को पीलिया से चंगाई मिली। कई लोगों ने सबके सामने यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया।

प्रार्थना: ओरिकंधो कामन परिवार की मुक्ति के लिए प्रार्थना करें जो जादू–टोने और कई बीमारियों से पीड़ित हैं। मिर्सिपोलांग को दिमागी बीमारी से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें जो सड़कों पर घुमता रहता है। उमोकंधा मिली को शैतानी बन्धन से छुटकारा मिले। बीना पेगु और जीनमुनी पेगु के परिवार वालों के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो चर्च जाने से रोकते हैं। गुंबांग, सुमोनी मेडो, बालिकम और रेगोम साबरी गाँवों में चल रहे विरोध को खत्म होने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर देबोस्वर को लिवर की बीमारी से, बिमजेगोम को किडनी की बीमारी से, अल्पो कामन को मिर्गी से और उमेंद्र मिल्ली को नींद न आने की बीमारी से चंगाई प्रदान करे।

14 जनवरी बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री इसाइक एबेल एस.

बिहार

रानीगंज एवं अररिया:

धर्मेंद्र परिछा एवं मधुस्मिता पाणि

स्तुति: उन अनमोल आत्माओं के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जिन्होंने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता माना है और विश्वासियों की संगति में शामिल हो गए हैं। बेबी राहुल, जो बहुत ज्यादा रो रहा था, उसे चर्च लाया गया और उसके लिए प्रार्थना की गई और परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से उसका रोना बंद कर दिया, जिससे परिवार चर्च में नियमित रूप से भाग लेने लगे हैं। ऋषि देव टुडू को प्रार्थना के द्वारा ट्यूमर से पूरी तरह ठीक होने का अनुभव हुआ। काजोल कुमारी, हालांकि अनपढ़ हैं, परन्तु बड़ी लगन से बाईबल पढ़ना सीख रही हैं, और उनके वचन के जरिए परमेश्वर की महिमा करना चाहती हैं।

प्रार्थना: हमारे विश्वासियों को झूठी और गलत शिक्षाओं से बचाने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें। संजन देवी को बुरी आत्माओं के चंगुल से पूरी तरह मुक्ति मिले। कोचमा गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि उनमें आराधना में भाग लेने की इच्छा जागृत हो। खून की उल्टी कर रहे बबलू ऋषिदेव को चंगाई मिले। संथन ऋषिदेव और बिंदु ऋषिदेव को उनके जमीन के झगड़े सुलझाने में परमेश्वर की बुद्धि प्राप्त हो और उन्हें जमीन पर दखल मिले। अनारीदेवी की सुरक्षित प्रसव और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। मधेपुरा, अरुल और रंगुदका गाँवों में चर्च निर्माण कार्य में परमेश्वर की अगुवाई और सहायता प्राप्त हो।

मुरालीगंज: जॉन एम. (रिटायर्ड) एवं सेलिना जॉयस

स्तुति: संजय पासवान को अपनी चावल की फैक्ट्री के लिए अपना सामान खरीदने में परमेश्वर ने मदद की। बीरबल कुमार को प्रार्थना के द्वारा स्किन इंफेक्शन से चंगाई मिली। हमारे सम्पर्क में नए आए संतोष ऋषिदेव, पिरिशपति ऋषिदेव और रवित कुमार के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जो उनके परमेश्वर के राज को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

प्रार्थना: सुनी देवी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो पिछले दो साल से दिमाग की बीमारी से जूझ रही हैं और जिनका शल्य चिकित्सा का इलाज चल रहा है। अजय ऋषिदेव, जो काम के लिए पंजाब चले गए हैं और पिछले छह महीनों से अपने परिवार से संपर्क नहीं कर पाए हैं, उनकी सुरक्षा और सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना करें। परिमाला देवी और गोकिला देवी के लिए प्रार्थना करें कि वे चर्च से जुड़े कामों में खुशी के साथ हिस्सा लें। कंजन देवी के पति के उद्धार और द्रौपति के लिए प्रार्थना करें जो अपने बच्चे की विकलांगता और बच्चे के भविष्य के बारे में डर के कारण दुखी हैं ताकि उसे परमेश्वर के मार्गों में शक्ति मिले और बच्चे को चंगाई मिले।

15 जनवरी गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सुगंती सोलोमन

बटापुरः

पवार दिनेशबाई एवं भारुडे चिलाबाई

स्तुतिः कई लोगों ने मसीह को अपना उद्धारकर्ता के रुप में स्वीकार किया। पूजा देवी सुरक्षित प्रसव के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। दो नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। ठंड के मौसम में होने वाली आम बीमारियों से विश्वासियों और मिशनरियों को प्रभु ने सुरक्षित रखा है।

प्रार्थनाः केंडुला देवी के लिए प्रार्थना करें कि उसे पूरे शरीर पर के फोड़े से चंगाई मिले। वैवाहिक जीवन के 6 वर्षों से संतान की आशा में बैठी राधा देवी पर परमेश्वर का अनुग्रह हो। शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान सुमेर कुमार की सम्पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें। पिछले चार महीनों से पेट दर्द से परेशान ऋषिदेवी को चंगाई मिले। प्रकाश को उनकी बीमारिसों से चंगाई मिले। रेणु कुमारी, सिंपल कुमारी और नीरज कुमार को परमेश्वर की इच्छा के अनुसार योग्य मसीही जीवन साथी प्राप्त हो।

कस्पाः

अनंदन एम. एवंनिशा आई.

स्तुतिः जीनी गाँव के कुछ लोगों ने ईसा मसीह को अपना बचाने वाला मानकर उन पर भरोसा किया। परमेश्वर की कृपा से, छह गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। तीन साल की कुशी, जो गलती से कुमारी नदी में गिर गई थी और बेहोश हालत में बचाई गई। उसके लिए एक विश्वासी पड़ोसी ने प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसे जिंदा कर दिया और उसकी सांसें वापस आ गईं। उसके माता–पिता, जिन्होंने यह चमत्कार देखा था, अब विश्वास के साथ चलने लगे हैं और कलीसियाई आराधना में भाग लेने लगे हैं।

प्रार्थनाः राणा, प्रतीक, रिही और काजल देवी की तरक्की के लिए प्रार्थना करें ताकि वे एक मजबूत और साक्षी जीवन जी सकें, अहिया देवी के लि प्रार्थना करें जिनका दिल का इलाज हुआ था वह पूरी तरह से चंगाई पाए। राजी के बेटे विक्रम कुमार, विशाक कुमार और अंकुश कुमार और उनके भाई प्रेमजीत ऋषि के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में बढ़ें और प्रीति देवी और सुमन ऋषि को संतान की आशीष मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती दबोरा डी. रोजलिन अरुलराज

झारखण्ड

तिनपहाड़ः

नहेमियाह एवं अनामिका पेगु

स्तुतिः जब हमने एक विश्वासी के लापता बेटे, कृष्ण सिंह के लिए प्रार्थना की तो अगले ही दिन पुलिस ने उसे ढूंढ लिया और वह सुरक्षित घर लौट आया। परमेश्वर ने विश्वासियों की जमीन पर अच्छी फसल का आशीर्वाद दिया। परमेश्वर ने सुसमाचार दल को एक पड़ोसी राज्य में जाकर जीज़स फिल्म दिखाने में भी मदद की।

प्रार्थनाः मंगू मुंडा, दशरथ तिर्की और हरपाल खालखो को नशे की लत से छुटकारा मिले, हमारे विश्वासी गोपाल टोप्पो, हरिराम तिर्की और आलोक लकड़ा जो सरकारी नौकरी करते हैं, ताकि वे ईमानदारी और गवाही से भरी जिंदगी जी सकें। राहुल मिंज, काली मिंज और तुलसी टोप्पो के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार सेवा का विरोध करते हैं। अनिल मुंडा को उन मुश्किलों से छुटकारा मिलने के लिए प्रार्थना करें जो वह अपने रिश्तेदारों के घर जाने के बाद से समस्याओं सामना कर रहे हैं।

नगर ऊंटारीः

बिपिन बिहारी प्रधान एवं झरना परिच्छा

स्तुतिः हमारे कलीसिया का प्राचीन भुईयाँ, जो मलेरिया और टॉइफाइड से परेशान थे, उन्हें प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर की अनुग्रह से चंगाई मिली। सभी प्लान किए गए काम बिना किसी रुकावट के पूरे हुए। जब चर्च ने एक्सीडेंट के बाद घायल सांडा देवी के लिए प्रार्थना की, जो बेहोश थीं, परमेश्वर ने उन्हें फिर से जीवन दिया। जब तुलसीदामर के गाँव वाले जो काम के लिए दूसरे इलाकों में गए थे, उन्हें कीड़े ने काट लिया और उन्होंने ठीक होने के लिए प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उन्हें चंगाई दी और उन्हें सुरक्षित घर लौटने में मदद की।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि सुसिता कासी का परिवार पूर्णकालिक सेवा में जाने के अपने वादे का सम्मान करे। हमारे बाल भवन के छात्र – आर्यन, दीपक, आलोक, राकेश, रंजीत, कार्तिक, विराट, संथिया और सिवन कासी के लिए प्रार्थन करे कि वे अच्छी पढ़ाई कर सकें। अलकर और तुलसीदामर में चल रहे चर्च कंस्ट्रक्शन का काम बिना किसी रुकावट के सफलतापूर्वक पूरा हो।

17 जनवरी शनिवार

बाड़ीटोलाः

सुंदर दुरई एवं मेलबिन रेजिनी

स्तुतिः हर चर्च में फसल का त्योहार खुशी से मनाया गया। हमारे दैनिक सेवा केन्द्र में दो दिन का स्पेशल रिट्रीट रखा गया था। जब विश्वासियों ने मंजू मुर्मू के लिए प्रार्थना की, जो पिछले तीन सालों से एक बीमारी से परेशान थीं, तो परमेश्वर ने उन्हें चंगाई दी और प्रभु यीशु मसीह में अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में अपना विश्वास का अंगीकार किया। मंगल हंसदा, जिनके हाथ में आग लगने से गंभीर चोटें आई थीं इलाज के बाद भी ठीक नहीं हुई, परन्तु वह विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा चंगाई पाया। दाऊद मुर्मू के परिवार को एक दुर्घटना से चमत्कारिक सुरक्षा मिली।

प्रार्थनाः गाँव के प्रधानों और तांत्रिकों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि कई गाँवों में जीसस फिल्म मिनिस्ट्री और ड्रामा मिनिस्ट्री द्वारा बताए गए सुसमाचार से कई लोगों उद्धार मिले। पुराने स्थानीय प्रचारक संजय टुडू के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो हमारे विश्वासियों के लिए रूकावट का कारण बन रहा है। संतानहीन लोगों के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें संतान सुख प्रदान करे। नौ स्थानीय प्रचारकों के परिवारों के लिए प्रार्थन करें कि प्रभु उन्हें बहुतायत के साथ इस्तेमाल करे।

रामगढ़ः

लेटखोलुन बाइटे एवं हटनेइकिम

स्तुतिः कई लोगों ने दो दिन की उपवास प्रार्थना में हिस्सा लिया और उन्हें बहुत आशीर्वाद मिला। परमेश्वर की कृपा से, कुछ नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। नरेंद्र राय और सिलापट्टी हेम्ब्रोम को प्रार्थना के द्वारा पीलिया और टॉइफाइड से चंगाई मिली। पंकज टुडू और मीनू मुर्मू को शैतानी बंधन से छुटकारा मिला। कुछ लोगों ने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता मानकर उन पर विश्वास किए और उन्हें विश्वासियों की संगति में शामिल किए गए।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि मलमाला, रियालती और करुडी में चर्च बनाने के लिए सही जमीन मिले। गाँवों में, मंजू हंसदा और संथन मुर्मू को क्षय रोग से, सामुएल और सुशील हेम्ब्रोम को मिर्गी और डायबिटीज से, प्रेमलाल टुडू को डिप्रेशन से, सिथारी टुडू को जादू–टोने से और रूपलाल हंसदा और महापुर मुर्मू को शैतानी बंधन से मुक्ति मिले।

18 जनवरी रविवार

महारो:

इम्मानुएल कार्थी एवं ज्योति लक्ष्मी

स्तुतिः जब विश्वासी मांडू पुजारी की दादी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, वह सुरक्षित घर लौट आई। हमारे चर्च का प्राचीन और मिरुलाल पहाड़िया और हरिना कुमारी की चमत्कारी सुरक्षा के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो जहरीले साँप के काटने से बचाया गया। नाला कुंडगीथ और मसिलिया गाँवों में सुसमाचार का प्रचार करने के लिए दरवाजे खुले हैं। बिनोद दास, जो तीन साल से लकवाग्रस्त थे, अब प्रार्थना के उत्तर में चलने लगे हैं। परमेश्वर की कृपा से, पालगी और आसनजोर गाँवों में तीन दिन की उपवास प्रार्थना संचालित की गई।

प्रार्थनाः देवेन्द्र पुजार के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो अपने माता–पिता और परिवार की परवाह किए बिना जी रहे हैं। अपने विश्वास की वजह से गाँव के लोगों और रिश्तेदारों का विरोध झेल रहे वकील पुजार के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें हियाव प्रदान करे। विश्वासी तीथु पुजार के परिवार वालों की मुक्ति के लिए प्रार्थना करें जो उनके विश्वास का विरोध करते हैं। रंजेदर पुजार को मानसिक बीमारी से चंगाई मिले। सुमन पुजार और मालोती देवी को कोढ़ से और केशवती देवी को पिछले छह महीनों से सुनने में आ रही कमी से मिले। प्रार्थना करें कि मधुबेन और पलियासोली गाँव में सुसमाचार का सारा विरोध खत्म हो।

खरोनी एवं मालपहाड़िया बाल भवनः

येलमुलवार स्वप्निल रामालु एवं तड़वी मनीषा

स्तुतिः टॉइफाइड और पीलिया की वजह से गंभीर हालत में रूथनी महारानी को चमत्कारी इलाज मिला। बबलू देहरी और मुनि महारानी के पारिवारिक झगड़े सुलझ गए हैं और इन परिवारों को ईश्वरीय शांति मिली। मनोज देहरी को लकवा से चंगाई मिली। पूनम देवी को प्रार्थना से पैर के गंभीर दर्द से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः काम की तलाश में मुंबई गए डबलू देहरी की सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना करें जिनका कोई पता नहीं चल रहा है। उदलबनी, विजयपुर, शिलिबोना, मटकाव, बुलोपानी, पठानकबहारी, मजीबारा, करुनाडी और काकर के गाँव के मन फिराव और उद्धार के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विरोध करते हैं। प्रार्थना करें कि करुडी गाँव में चर्च का कंस्ट्रक्शन का काम शीघ्र शुरू हो सके और प्रभु एक ऐसा बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर दें जो ईमानदारी से काम करे।

19
जनवरी
सोमवार

जन्मदिन मुबारक
श्री इसाहाक धनासिंह आर.

पश्चिम बंगाल

मालदाः

उदिप्ता कुमार बाग एवं सूर्याकांति

स्तुतिः अरोती पहाड़िया और सोनो मुनि पहाड़िया को पीलिया और टॉइफाइड से चंगाई मिली। पाचू टुडू को प्रार्थना से शैतानी बंधन से मुक्ति मिली। पिमोल मार्डी को किडनी की बीमारी से ठीक होने में मदद मिली। परमेश्वर ने जटेगुंडी चर्च को बिजली ग्रिड से जोड़ा। प्रभु ने हमारे विश्वासियों की खेतों पर अच्छी फसल दी।

प्रार्थनाः सुनील पहाड़िया, सोनीराम पहाड़िया, लोलिदा पहाड़िया और सुक्कू पहाड़िया के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर सिथलपुर गाँव में हमारे विश्वासियों के घरों को सुरक्षा प्रदान करे क्योंकि बिहार सरकार ने उन्हें सरकारी जमीन पर अतिक्रमण घोषित कर दिया है और उन्हें गिराए जाने का खतरा है। बिजॉय, सावरिया और अविनाश मार्डी को पुलिस फोर्स में नौकरी मिले और सर्दियों के मौसम में हमारे विश्वासियों और मिशनरियों की सुरक्षा हो।

इटाहारः

सोलोमन ए एवं सुगंती

स्तुतिः जीज़स फिल्म स्क्रीनिंग के माध्यम से कई लोगों को प्रभु यीशु मसीह को जानने का अवसर मिला। हर इलाके में दो–दो जगहों पर यूथ मीटिंग और उपवास प्रार्थना सभाएँ हुईं। परमेश्वर ने अपनी अनुग्रह से मुंदरी मुर्मू को मृत्युशैय्या उठाया। जब खेतों की ओर जा रही मिरी मुर्मू पर अचानक एक भैंस ने हमला कर दिया, तो वह चिल्लाई, "यीशु, मुझे बचाओ," और परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से उनकी रक्षा की।

प्रार्थनाः इंदिरासोल और डगरनांगी गाँवों में सेवा के लिए द्वार खुलें। प्रभु धार दिनाजपुर जिले में एक बड़ी आध्यात्मिक फसल लाए। जिन्होंने अपने गाँवों में सुसमाचार सुना है, वे यीशु मसीह में सच्चे विश्वास की ओर ले जाए। दिलीप मुर्मू, कंदन हेम्ब्रोम और बिहारी मुर्मू के मनफिराव के लिए प्रार्थना करें कि वे परमेश्वर की ओर फिरें। स्थानीय प्रचारकों, कलीसिया के प्राचीनों, सवयं सेवकों और प्रार्थना सेल के अगुवों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में दृढ़ रहें और प्रभु के साथ अपने रास्ते पर लगातार आगे बढ़ते रहें।

20 जनवरी
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सेलिना मरांडी रवींद्र मुर्मू

छत्तीसगढ़

तपकारा एवं लुडेग बाल भवन:
अरुणकुमार जी. एवं सारथी

स्तुति: विरोधों के बीच पाँच गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। परमेश्वर ने नागवंशी और यादव जन समूह के बीच सुसमाचार प्रचार करने में हमारी सहायता की और हमें नए लोगों से सम्पर्क बनाने में मदद की। कुमांसिया गाँव के पहले विश्वासी शिवनाथ, जो क्षय रोग से प्रीावित होकर बिस्तर पर थे प्रार्थना के द्वारा चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली। परमेश्वर की कृपा से बच्चों की मिनिस्ट्री अच्छी तरह चल रही है।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि विश्वासी फसल के मौसम में भी नियमित रूप से आराधना में भाग लेने में विश्वासयोग्य रहें और काम के दबाव के बावजूद, मिनिस्ट्री को बढ़ाने की कोशिशों का पक्का नतीजा मिले। सैरका, हौलारदान, सुलहपानी, डोडिदान और मरोल गाँवों के जिन लोगों ने सुसमाचार को सुना है, उन्हें प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में मसीह यीशु में बचाने वाले विश्वास की ओर आ सकें।

पत्थलगाँव: पाड़वी सोमालिया एवं
महाला शिलाबेन

स्तुति: सीकर्स कैंप में भाग लेने वाले कुछ लोगों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। अमापल्ली, सुक्रबारा, मदुवदल, पारेन और पार्लिसदान गाँवों में विश्वासियों की आध्यात्मिक सभा संचालित की गईं और उन्हें बहुतायत का आशीर्वाद मिला। मक्कापुर में चर्च कंस्ट्रक्शन का काम परमेश्वर की दया से बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से चल रहा है।

प्रार्थना: पिछले दो महीनों से लकवा से पीड़ित निर्मला लकड़ा के ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। हरजीत एवं महाराशि को कैंसर से चंगाई मिले। पारस को शैतानी बंधन से मुक्ति मिलने और शांति को पिछले महीने के लगातार बुखार से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

उसके पंखों की छाया में सुरक्षित

हमारे विश्वासी, लवप्रीत, पंजाब के मलौट मिशन क्षेत्र के सुबसन गाँव का रहने वाला है। रात में वे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ सो रहे थे, तभी अचानक बिजली के शॉर्ट सर्किट से उनके घर में आग लग गई। हालांकि घर का सारा सामान – जिसमें कंप्यूटर और टेलीविजन भी शामिल था जल गया, परन्तु परमेश्वर ने चमत्कारिक तरीके से पूरे परिवार की रक्षा की। उनकी पत्नी और बच्चे बिना किसी नुकसान के बच गए, और मनप्रीत को सिर्फ मामूली चोटें आईं। यह परिवार इस बात का जीता–जागता सबूत है कि परमेश्वर अपने बच्चों को अपने पंखों की छाया में शरण देता है। परमेश्वर की स्तुति हो !

21 जनवरी
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती प्रेमलता डैनियल थॉमस
सुश्री शांति मुर्मू

कटघोरा: वलवी दीना धना एवं भुसारे शीला

स्तुति: तीन दिन की उपवास प्रार्थना सभा; कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम और रात्रि सभा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। प्राचीनों के प्रशिक्षण के दौरान, आध्यात्मिक निर्देशन को प्रार्थना के साथ तैयार किया गया कई विषयों पर चर्चा की गई। दो नए परिवारों ने आराधना में भाग लेना शुरू कर दिया है।

प्रार्थना: प्रकाश और सरिता राज की संतान प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें और सरिता राज को मिर्गी से पूरी तरह चंगाई मिले। अनीश दर्शन और दिलीप को शराब की लत से छुटकारा मिले। कटघोरा क्षेत्र में बढ़ते विरोध समाप्त हो और नए विश्वासी विरोध के डर के बिना विश्वास में स्थिर रहें। विश्वास का विरोध करने वाले संतोष, साहे, लक्ष्मण, श्रीवास और राणा मुखर्जी के मन फिराव और आमापानी गाँव में एक चर्च की इमारत का कार्य पूरा होने के लिए प्रार्थना करें।

बलौदा बाजार: रामेश्वर दयाल एवं मधु कला

स्तुति: कायिगाट और सरोटी गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। परमेश्वर की सहायता से, कारिंदा, गुलगुल और मुढ़ियादी गाँवों में जीज़स फिल्म दिखाई गई। परमेश्वर ने सरदा साहा को एक बालक का दान दिया। दस गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई।

प्रार्थना: रीढ़ की हड्डी में चोट और हाथीपाँव से परेशान हमारे मिशनरी के ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासी रामचरण के परिवार की शांति और आशा के लिए प्रार्थना करें जिनकी मृत्यु हो गई। प्रार्थना करें कि लापता नंदिनी के सुरक्षित घर लौट आए। अंकुश और आयुष को शैतानी बंधन से छुटकारा मिले। सेमकिराडी और सरकोर गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो कड़े विरोध का सामना कर रहे हैं, वे अपनक विश्वास में स्थिर और दृढ़ हों।

दूर का प्रभु

महाराष्ट्र के खड़की गाँव का रहने वाला फिलिप, अपने गाँव से बहुत दूर एक कंपनी में काम करता था। एक दिन, उसे अचानक पेट में बहुत तेज दर्द हुआ और वह बेहोश हो गया। उसके साथ काम करने वाले घबरा गए, और कंपनी के ऑफिसर ने तुरंत उसके माता–पिता को बताया और उनसे तुरंत आने को कहा। दूरी ज्यादा होने की वजह से, उसके माता–पिता उससे मिल नहीं पाए। इसके बजाय, उन्होंने अपने बेटे के लिए रोते हुए परमेश्वर से प्रार्थना की। तीन घंटे बाद, फिलिप को होश आया और वह पूरी तरह से ठीक हो गया। उसके माता–पिता ने बाद में प्रार्थना सभा में यह बात बताई, और परमेश्वर के नाम की महिमा की। आईए हम इसके लिए की तारीफ करें, यह जानते हुए कि वह सिर्फ पास वालों का ही नहीं, बल्कि दूर रहने वालों वालों का भी प्रभु है।

22 जनवरी गुरूवार

उड़ीसा

जगन्नाथपुरः

बासुदेव मालतो एवं बसंती मालतो; सुरेश मालतो

स्तुतिः कई लोगों ने अलग–अलग जगहों पर चर्च एल्डर्स की ट्रेनिंग मीटिंग में हिस्सा लिया और आशीर्वाद मिला। तीन लोगों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। मलेरिया से बार–बार पीड़ित होने के बावजूद, हमारे स्थानीय प्रचारक घनश्याम सिंघु पूरे जोश के साथ प्रभु की सेवा करते रहते हैं। अत्यधिक बीमारी से पीड़ित इश्माएल सिंघु को विश्वासियों की प्रार्थनाओं के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थनाः प्रभु हमारे विश्वासी बिजय दिरिया, कनु लघुरी, सुरम बोबोंगो, डेविड बोबोंगा और सन्नी बोबोंगो के लिए न्याय स्थापित करें जो अपने विश्वास के कारण झूठे मुकदमें के मामले का सामना कर रहे हैं। सारंडा जंगल इलाके में रहने वाले संथाल, गोप लोहार और ओड़िया लोगों को नक्सली खतरों से बचाने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें। ओसा सिंघु की बीमारी से चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसने पूर्णकालिक सेवकाई के लिए स्वयं को समर्पित किया है। उनकी कृपा से दुगुत सतर, जगमोहन, बिंगुवा और द्वारिका को क्षय रोग से, जसमाथा लघुरी को लकवा से, बालू सुरेन और बिरलू सुरेन को सेरेब्रल मलेरिया से और सुकलाल लघुरी को मिर्गी से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

बिजातालाः

शिवशंकर एवं कांति देवी

स्तुतिः शेबा मुर्मू, जो बीमारी की वजह से दो महीने से चल नहीं पा रही थीं, चमत्कारिक रूप से चंगी हो गई जिससे उनके पूरे परिवार ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। रघुनाथ बास्की, जो कभी शराब के आदी थे, उन्हें एक उपवास प्रार्थना सम्मेलन के दौरान छुटकारा मिला और उनके पूरे परिवार ने मसीह को उद्धारकर्ता स्वीकार किया। सरपा टुडू चर्च की प्रार्थनाओं के द्वारा कैंसर से चंगाई मिली। आठ और लोगों ने मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया और कलीसिया में शामिल हो गए हैं।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि कलीसिया के प्राचीन उत्साह और समझदारी से अपने लोगों की देखभाल करें, उन्हें ईमानदारी से प्रभु के मार्गों पर चलने में अगुवाई करें। सांबा नायक को अवसाद से, साल्के सोरेन को क्षय रोग से और पुलमुनी टुडू को पेट की बीमारियों से चंगाई मिले। बिजाताला मिशन मिशन क्षेत्र के सभी 143 गाँवों में बिना किसी रुकावट के सुसमाचार का प्रचार हो सके। नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में आगे बढ़ें और उनकी प्रार्थना का जीवन गहरा हो तथा वे अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में मसीह की प्रभावशाली गवाही दें।

23 जनवरी
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री मैथ्यू के.
श्री कुमार बी.

गुजरात

कोरम्बा एवं कदोड़:

पुष्पराज एवं ज्योति निर्मला

स्तुतिः रागीपुरा चर्च की अश्मिता पूर्ण कालिक मिशनरी के तौर पर हमारे संगठन में शामिल हुई हैं। हमारे युवा सम्मेलन में शामिल हुए सत्रह युवाओं ने ईसा मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया। जीज़स फिल्म के माध्यम से बहुतों को सुसमाचार सुनाया गया। परमेश्वर की अनुग्रह से अरोना, नानसाडू और सम्पुरा डेलाट गाँव में भी सुसमाचार का प्रचार किया गया।

प्रार्थनाः सांबा बेन की सम्पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो अक्सर अस्थमा से परेशान रहती हैं। हमारे विश्वासी परिवारों के लोगों के लिए प्रार्थना करें जो शराब की लत में हैं, उन्हें छुटकारा मिले। उन गाँवों में रात्रि सभाएँ आयोजित करने का अनुमति मिले जहाँ सुसमाचार का प्रचार हुआ है। नए विश्वासियों में आध्यात्मिक समझ और पक्का विश्वास बढ़े। प्रार्थना करें कि युवाओं में जागृति आए ताकि उन्हें भी परमेश्वर को मानने वाले मसीही जीवन साथी मिल सकें।

कपराड़ाः **बिदुश कुमार नायक एवं प्रीतिबाला; सूरजमुखी एवं शीला हंसदा**

स्तुतिः पाणि को किडनी स्टोन से ठीक होने में मदद मिली। संजय को प्रार्थनाओं के जरिए चंगाई मिली जिसने चर्च की आराधना में भाग लेना भी छोड़ दिया था, अब वह फिर से कलीसिया की आराधना में भाग ले रहा है। सिकिसा को कुष्ठ रोग से चमत्कारिक रूप चंगाई मिली। जहरीले साँप के काटने के बाद भी परमेश्वर ने रमेश की जान को बचाया।

प्रार्थनाः गोपी के सीने के दर्द से ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। शिल्पा को दिल की बीमारी से सुनीता जो पैर की बीमारी की वजह से तीन साल से चल नहीं पा रही है, अनीता के पेट में नौ महीने से दर्द बना हुआ है और जोहान, जो चार साल से बोल नहीं पा रहा है कृप्या इन सबसे की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

परमेश्वर के लिए सब कुछ संभव है!

छत्तीसगढ़ के खरगोड़ा मिशन क्षेत्र की हमारी विश्वासिनी पुष्पा ने बहुत दुख झेला था, क्योंकि पिछली दो प्रेग्नेंसी में उनके बच्चे मृत पैदा हुए थे। बहुत ज्यादा इमोशनल पीड़ा के बावजूद, वह विश्वास के साथ परमेश्वर से प्रार्थना करती रहीं। जब वह दोबारा गर्भवती हुईं, तो डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि यह डिलीवरी भी मुश्किल हो सकती है। पूरी कलीसिया उनके साथ सच्चे हृदय से प्रार्थना कर रही थी। प्रसव के समय परमेश्वर ने अपनी कृपा से पुष्पा की रक्षा की और उन्हें एक स्वस्थ बच्चे को जन्म देने में मदद की। परमेश्वर की महिमा हो! सचमुच में, बच्चे परमेश्वर की ओर से वरदान हैं और गर्भ का फल उसी की ओर से प्रतिफल है।

24
जनवरी
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती नियांग जंगाई थांग खान कप

बोडेली एवं दभोई:

येसु बाबू एवं उषा एस.

स्तुति: गंजीबाई, जो एक एक्सीडेंट के बाद हॉस्पिटल में भर्ती थीं और जिनके लिए डॉक्टरों ने उम्मीद छोड़ दी थी, परन्तु परमेश्वर ने उसे चंगाई प्रदान की। उसके लिए प्रार्थना की और सुसमाचार सुनाया गया। सिकल सेल बीमारी से परेशान होने के कारण चलने में असमर्थ राकेश ने परमेश्वर से प्रार्थना की और प्रभु ने उसे चंगाई प्रदान किया तथा परमेश्वर ने उनके परिवार को पाँच साल के निःसंतानता के बाद एक बच्चे का आशीर्वाद दिया।

प्रार्थना: मेडिकल इलाज के बावजूद यूटेराइन ट्यूमर से पीड़ित मंजुला को परमेश्वर चंगाई प्रदान करे। परमेश्वर से प्रार्थन करें कि हमारा विश्वासी अमरसिंह बाई के परिवार को सांत्वना दें, जिनके प्रिये बेटे की मृत्यु हो गई। दस वर्षीय के शंकर, जिसका जबड़ा एक दुर्घटना में टूट हो गया था, पूरी तरह ठीक हो जाए। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि जिनके खेत बारिश से जलमग्न हो गए हैं, प्रभु उनके खेतों में अच्छी फसल दे जब वे खेतों में फिर से बीज बोएंगे।

उमरगम:

असीर मोसेस एवं अमिर्धा गोल्डा

स्तुति: कलीसिया का प्राचीन एवं स्थानीय प्रचारकों की प्रशिक्षण सभा सफलतापूर्वक हुई। जो विश्वासी विश्वास से पीछे हट गए थे उन्होंने मन फिराया और प्रभु की ओर फिरे। इरोली और मालव गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि उपलेट, बोरमल और बोराव गाँवों में हो रहा विरोध खत्म हो और विश्वासीगण विश्वास में आगे बढ़ें। प्रभु स्थानीय प्रचारक मुकेश बाई, रमन बाई, दिलीप बाई और उनके परिवारों को आशीर्वाद दें और अपनी सेवा में बहुतायत के साथ इस्तेमाल करे।

आईए हम अंधविश्वास से स्वतंत्रता के लिए प्रार्थना करें

अंबापानी गाँव में, एक महीने की बच्ची अनाया को सांस लेने में बहुत दिक्कत हो रही थी। डर के मारे, उसके माता–पिता ने उसे एक स्थानीय पुजारी के पास ले गए, जिसने बच्ची की छाती को गर्म लोहे की रॉड से दाग दिया। इस बेरहमी से की गई हरकत से बच्ची की हालत बहुत बिगड़ गई। फिर माता–पिता अनाया को स्थानीय चर्च ले गए, जहाँ विश्वासियों और पादरी ने उसकी चंगाई के लिए विश्वास के साथ प्रार्थना की। परमेश्वर ने अपनी दया से बच्ची को पूरी तरह चंगाई दी। परमेश्वर की महिमा हो ! आईए हम प्रार्थना करते रहें कि हमारे देश के लोग – जो 21वीं सदी में भी अंधविश्वासों से बंधे हुए हैं, आजाद हों और वे सच्चा और जीवित परमेश्वर को जानें।

25 जनवरी रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती असनथ देवदास
श्रीमती मार्गरेट मुथैया सामुएल
श्रीमती जेया रूबी सोलोमोन
श्रीमती किरुबासनम स्टेला एंड्रयूज

कावंत:

अखिलेश कुमार एवं किरण देवी

स्तुति: कलीसिया के प्राचीन और स्थानीय प्रचारक के लिए आयोजित कानूनी सलाह का सत्र बहुत ही लाभदायक रहा। कई युवाओं ने युवा सभा में भाग लिया। बेयोना बेन, जिनका हाथ तीन महीने से ठीक नहीं था, प्रार्थना सभा के दौरान की गई प्रार्थनाओं के द्वारा चंगी हो गई।

जब कोवली बेन के सामने यह चुनौती आई कि उनके पति दूसरी शादी करने के बारे में सोच रहे हैं क्योंकि वह लड़के को जन्म नहीं दे सकती थीं, तो कलीसिया ने हृदय की गहराई से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उन्हें एक बेटे का दान दिया।

प्रार्थना: मथवत गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें जो ईसाइयों के खिलाफ इकट्ठा होकर मांग कर रहे हैं कि ईसाईयों को दी जाने वाली सरकारी सुविधाएँ वापस ली जाएँ। परिवार के कामों में शामिल होने पर रोक लगाई जाए और जो लोग खुद को ईसाई मानते हैं, उनके खिलाफ हिंसा की जाए। प्रार्थना करें क प्रभु अपने लोगों की रक्षा करे। सेलकडा दुथवी गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जिन्हें पीटा गया और उनके साथ बुरा बर्ताव किया गया ताकि परमेश्वर उन जुल्म करने वालों के दिलों में इंसाफ और पछतावा लाए, ताकि वे हमारे प्रभु के प्रेम को महसूस कर सकें। शीला बाई को सिर की गंभीर चोट लगी थी और बहोलिया बाई को दिमाग की बीमारी से पूरी तरह चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

आहवा एवं पीपलवाड़ा:

विग्नेश्वरन एवं एंजेलिन एम.

स्तुति: हमारे विश्वासी बेटे, 9वीं क्लास के प्रिंस ने स्टेट हॉकी टीम में जगह पक्की कर ली है। एबेल बाई को परमेश्वर ने साँप के काटने से बचाया। चार वर्षीय ब्लेसी जो चल नहीं पाता था, अब प्रार्थनाओं की वजह से चलने लगा है। युवा सम्मेलन में 300 से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया और उन्हें आशीर्वाद मिला।

प्रार्थना: रवीना को बुरी आत्मा के चंगुल से मुक्ति मिले। हमारे कलीसिया का प्राचीन सीताराम भाई को डेंगू बुखार से और निशाली बेन को सिकल सेल बीमारी से, पाँच सालों से चलने में असमर्थ परीथ के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें पूरी तरह से चंगाई प्रदान करे। तांत्रिक मंदूबाई को अवसाद से छुटकारा मिलने और इस चमत्कार को देखने वाले गाँव के लोग मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता मानने हेतु तैयार होने के लिए प्रार्थना करें।

26
जनवरी
सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन दिनेश जी.एग.
दादरा एवं नगर हवेली

दादरा एवं नगर हवेलीः

सिलवासाः

डेविडसन राजसिंह एवं कनमणि परिमालम

स्तुतिः परमेश्वर ने नितिन को बिजली गिरने से बचाया। बालू बाई, रमीला बेन, राकरू बेन और साया बेन को जहरीले साँप के काटने से परमेश्वर ने बचाया। परमेश्वर ने महेश बाई, अकिला बेन और तेजस को सड़क हादसों में बचाया। वासोना मंडली के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जो एक मिशनरी की सहायता करने के लिए आगे आई है। जंगाई बेन जो दुष्टात्माओं के कारण सो नहीं पा रही थी प्रार्थना के द्वारा छुटकारा पाई।

प्रार्थनाः रमेश बाई को सांस लेने में हो रही तकलीफ से, बिंदु बाई को किडनी की बीमारी से, जानी बेन को दिल की बीमारी से, जानू बाई, मुकेश बाई और सुरेश बाई को मुँह के कैंसर से, गुलबी बेन, रामे बेन और पुनी बेन को लकवा से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। सिकल सेल बीमारी से पीड़ित हमारे स्थानीय प्रचारक यशोदय की सम्पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें। नए विश्वासी मसीह में अपने विश्वास और आध्यात्मिक जीवन में स्थिर हो और उत्साह के साथ आगे में बढ़ें।

महाराष्ट्र

तलोडाः

भरणीधरन एवं सेल्वारानी

स्तुतिः पाँच साल से पैर में दर्द से पीड़ित पदमा बाई को चर्च में आकर प्रार्थना करने से चंगाई पाई। छोटी रिया, जो मिर्गी से परेशान थी, चमत्कारिक रूप से चंगी हो गई। महेश्वरी को रात में सांस लेने में होने वाली तकलीफ से तब राहत मिली जब उसके माता–पिता ने विश्वास के साथ उस पर तेल लगाकर उसके लिए प्रार्थना की। दो नए गाँवों में हुई प्रार्थना सभा में बहुत से लोग शामिल हुए, पहली बार सुसमाचार का सुना और ईश्वर का अनुग्रह पाया।

प्रार्थनाः आशा बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो मेडिकल इलाज के बावजूद सीने के दर्द से जूझ रही हैं। राकेश को शराब की लत से छुटकारा छुटकारा मिले। केवड़ी गाँव में सुसमाचार का विरोध करने वाले लोगों तथा जयसिंह के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो अपनी पत्नी को चर्च जाने से रोकता है। अंबापानी गाँव में बातिलपाड़ा जन समूह के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें अंधविश्वास से आजादी मिले दिलाना मसीह में विश्वास लाएँ। पूवानी के पति संदीप अर्जुन और जमनी बाई के रिश्तेदारों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

27 जनवरी मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती बिथिका बिम्मा पानी

सुरगना:

मथिलसामी टी. एवं येशुमनी टी.

स्तुति: जब हमारे विश्वासी बेटे फिलिप तेज पेट दर्द के कारण गिर पड़ा, तो उसके माता-पिता ने उसके लिए बहुत प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसे चंगाई दी जिससे वह सुरक्षित घर लौट सका। तुलसी राम, जिसे अस्थमा के मेडिकल इलाज के बाद भी आराम नहीं मिला था और पिछले दस महीनों से उनके पैरों में सूजन थी, उन्होंने अंबी बेन द्वारा संचालित प्रार्थना सभा में जाना शुरू किया। परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुनी और उन्हें पूरी तरह से चंगाई दी। परमेश्वर की कृपा से, कथरुंडी गाँव में एक नया आराधना दल शुरू किया गया है।

प्रार्थना: कथरुंडी गाँव में नए आराधना दल की निरंतर आध्यात्मिक वृद्धि और दृढ़ता के लिए प्रार्थना करें। समुदाय में जो लोग लंबे समय से बीमार हैं या बीमारियों से जूझ रहे हैं उन सब की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। अपने गाँवों में विरोध या भेदभाव का सामना कर रहे विश्वासियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। उन लागों के लिए प्रार्थना करें जो परिवार में पैसे या मन के बोझ से दबे हुए हैं, परमेश्वर उनके लिए आवश्यक वस्तुओं का प्रबन्ध करे और शांति प्रदान करे। इस मिशन क्षेत्र के युवाओं और बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास, प्रार्थना और परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत सम्बन्ध में आगे बढ़ें।

धड़गाँव: एबेनेजर

सामुएल एवं जोशना जेयारानी

स्तुति: निकिडी, दिशमल और कजरकेडी गाँवों में हमारे कई विश्वासियों को जहरीले सांपों के काटने से परमेश्वर ने बचाया। बुगी बाई, जो शैतानी गुलामी में थी और डायबिटीज से भी पीड़ित थी परमेश्वर ने उन्हें चंगाई दी। जब विश्वासियों ने पिकरिया के लिए विश्वास के साथ प्रार्थना की, जिसे एक जहरीले साँप ने काट लिया था और जिसके मुँह से झाग निकल रहा था तथा खून की उल्टी हो रही थी, परमेश्वर ने चमत्कारिक तरीके से उसे जिंदा कर दिया। मानसिक असंतुलन से पीड़ित नंदा, जो दस सालों से ज्यादा समय तक बिना कपड़ों के घूमता रहता था, चर्च में उसके लिए प्रार्थना करने के द्वारा उसे चंगाई मिली और अब वह चर्च की आराधना सेवाओं में भाग ले रहा है।

प्रार्थना: नल्लयानी और सेल्हारा के लोगों के बीच शांति स्थापित हो और वे एक साथ मिलकर परमेश्वर की आराधना करें। अपने घर में बार-बार सांपों के घुसने से डरी रहती अंजता के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसे सुरक्षा प्रदान करे। अपने विश्वास की वजह से अपने ही परिवार और रिश्तेदारों से परेशान रेणुबाई के लिए प्रार्थना करें। अपने शरीर पर सूजन से परेशान छोटी रिया को चंगाई मिले। बोलने में असमर्थ हमारे विश्वासी के छह वर्षीय बेटे को परमेश्वर का स्पर्श मिले और वह बोल सके।

28 जनवरी
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री जंगखोलुन थोऊथांग
श्रीमती स्टेफी बीजू लाल
श्री भारुडे प्रताप मांग्या
श्री वसंत कुमार

इगतपुर: नागराजन एम. एवं थिलागावती आर.

स्तुति: जब रमेश की पत्नी ने किडनी स्टोन से परेशान अपने पति की चंगाई के लिए सच्चे ह्रदय से प्रार्थना की तब परमेश्वर ने दया करके उनकी प्रार्थना सुनी और बिना सर्जरी के रमेश को चंगाई दी। जब हमारी विश्वासी मीराबाई ने एक्सीडेंट के बाद तीन दिनों तक बेहोश अपने पोते के लिए प्रार्थना की तो परमेश्वर ने उसकी जान लौटा दी। परमेश्वर ने मंजुला बेन को उनके बिस्तर के पास आए एक जहरीले साँप से बचाया और सुरक्षा प्रदान की। परमेश्वर की अनुग्रह से चर्च की प्रार्थनाओं के द्वारा विमान बेन के बेटे को एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि उर्मिला को अत्यधिक रक्तस्राव की समस्या से सम्पूर्ण चंगाई मिले। बागा बेन, किशन और लक्ष्मी, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और सुरेका और गुरुनाथ की सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें बच्चें और प्रियों को खो दिया। हमारे विश्वासियों के बच्चों –सचिन, विशु और मनीषा के लिए प्रार्थन करें कि प्रभु उन्हें मसीही जीवन साथी प्रदान करे। मौसमी कार्यों के लिए दूसरे राज्यों और जिलों में बाहर गए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे कहीं भी रहें वे अपने विश्वास में दृढ़ और स्थिर रहें। स्थानीय पादरियों के मन फिराव के लिए लिए प्रार्थना करें जो गलत शिक्षाओं के जरिए विश्वसियों को गुमराह करते हैं ताकि वे पश्चाताप करें और सुसमाचार की सच्चाई की ओर लौटें।

तलसरी: गेड्डाम श्रीनिवास राव एवं मेढन्की राजलक्ष्मी

स्तुति: स्थानीय प्रचारकों की प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापुर्वक संचालित की गई। परमेश्वर ने दिनेश और गीता को बारह साल की लगातार प्रार्थना के बाद एक बेटे का दान दिया और रेणुका और शैलेश को आठ साल की प्रार्थना और इंतजार के बाद एक बच्चे का आशीर्वाद मिला। अर्चना मेघा को परमेश्वर की कृपा से पुलिस फोर्स में नौकरी मिली।

प्रार्थना: प्रभु संजन, जगदीश नाम, सरिता, रंजना, गुंडा दिलीप, गोरकाना, सुकुदा और दिलीप के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें संतान सुख प्रदान करे। शारीरिक रूप से विकलांग आर्यन, प्रेम और रियांस की दिव्य चंगाई के लिए प्रार्थना करें। कलीसियाई समिति और महिला अगुवों की सभा के बाद ईश्वर का लगातार मार्गदर्शन मिल रहा है और सेवकाई फलदायी हो रहा है। प्रभु स्थानीय प्रचारकों और उनके कामों को आशीष दे और मजबूत करे।

29 जनवरी
गुरुवार

कंदबारा एवं नवापुरः
तिम्मन्ना@तिमोथी एवं ममता

स्तुतिः सिकली गाँव के मनेश को शैतानी बन्धन के कारण कई मेडिकल इलाज के बावजूद एक अनजान बीमारी से परेशान था परन्तु उसे प्रार्थना के द्वारा से छुटकारा और चंगाई मिली। एक महीने से अधिक समय से निमोनिया से जूझ रही ललिता को पूर्ण चंगाई मिली। जब विश्वासियों ने कार्डियक सर्जरी के बाद सीने में दर्द से परेशान सुगन के लिए विश्वासियों ने प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसका दर्द दूर कर दिया।

प्रार्थनाः पिछले साल से कई बीमारियों से जूझ रही सुमा की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें। पिछले दो साल से मुंह के कैंसर से जूझ रहा रंजेंद्र, परमजा को लकवा से, मधु को मानसिक बीमारी से, रोपेश को सिकल सेल बीमारी से और इंदिरा बाई को लकवा की बीमारी से चंगाई मिले। अमित और रिंकू के परिवारों को संतान सुख प्राप्त हो।

गोलगीः
रूबेन टुडू एवं रुक्मणी हेम्ब्रोम

स्तुतिः हमारे विश्वासी जलसिंह का एक वर्षीय बेटा को मिर्गी की बीमारी से प्रार्थना के द्वारा चंगाई पाया। परमेश्वर ने लोंगा बाई को सुरक्षित प्रसव के साथ जुड़वाँ बच्चों का आशीर्वाद दिया। बुथलपाड़ा गाँव की गौरी बाई को परमेश्वर की कृपा से शादी के छह महीने के अंदर ही गर्भधारण का आशीर्वाद मिला। परमेश्वर ने नवारी पर अपना चंगाई देने वाला हाथ बढ़ाया, जो लकवा के कारण बिस्तर पर थी।

प्रार्थनाः हमारे सम्पर्क में आए बाग्या अंतिया के लिए चमत्कारी इलाज के लिए प्रार्थना करें जो मुंह के जीभ कैंसर से पीड़ित हैं और बेसकत्रिया बटविक के लिए भी प्रार्थना करे जो मुँह के कैंसर का मेडिकल इलाज करवा रहा है। प्रभु से प्रार्थना करें कि वह सिक्किली इलाके में सुसमाचार के लिए द्वार खोल दे। हमारे स्थानीय प्रचारक कालूसिंह वसावा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो न्यूरोलॉजिकल बीमारी से परेशान हैं। हमारी विश्वासी उर्मिला बाई को संतान सुख प्राप्त हो।

30 जनवरी
शुक्रवार

कर्नाटक

निदागुंडी: मंजया नायक एवं लमनी रत्ना

स्तुतिः कई लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। जब हमारे विश्वासी को को मडिकल कॉर्स की फीस भरने में मुश्किल हुई तो उसने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना सुनी और अधिकारियों से मदद ली, जिन्होंने फीस घटाकर 4 लाख से दो लाख सालाना कर दी। सुरेका को प्रार्थना के द्वारा शैतानी बंधन से छुटकारा मिला। हमारी विश्वासी मीना सरकारी सहयोग से नया घर बना पाई।

प्रार्थनाः सुरेश की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसका लकवा का इलाज चल रहा है। पिछले दस सालों से शराब की लत में डूबा हुआ सिंधु, अपने परिवार की शांति भंग कर दी है, प्रार्थना करें ि कवह मन फिराए और श्राब की लत से छुटकारा पाए। अपने बाएँ हाथ और पैर में दर्द से परेशान ढुकरामुक्कू की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

शिरहट्टी: आशाप्राप्ता एवं दीना कुमारी

स्तुतिः प्रकाश को वायरल बुखार से चंगाई मिली। जब ज्योति ने अपने पड़ोसी के लिए प्रार्थना की, जिसने पिछले तीन महीनों से उसके गहने रोक रखे थे, तो परमेश्वर ने पड़ोसी का दिल छू लिया और एक हफ्ते के अंदर गहने वापस कर दिया। पकिरेश को प्रार्थना के जवाब में एक अच्छी नौकरी मिली। गले में ट्यूमर से परेशान और सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहा हनमंधा को परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा बिना सर्जरी के चंगाई दी। सुधम्मा को शैतानी बंधन से छुटकारा मिली।

प्रार्थनाः ज्योति, अनीता, आयुष, विजयलक्ष्मी और सलमा के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान सुख प्राप्त हो। रमेश और हेमलता को लकवा की बीमारी से, नंदिनी के पति को सीने के दर्द से और चंद्रू सेकर को एक्सीडेंट में माथे पर लगी चोट से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासी चंद्रू का एक्सीडेंट तीन साल पहले हुआ था जिसमें उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था और सर्जरी करके लोहे की रॉड डालकर इलाज किया गया था। रॉड की वजह से अब गंभीर इन्फेक्शन हो गया है और डॉक्टरों ने उनके सेप्टिक पैर को काटने का संकेत दिया है। परमेश्वर से प्रार्थन करे कि वह पूरी तरह चंगाई पाए। मंजू को शराब की लत से छुटकारा मिले।

31 जनवरी शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती श्रीलता स्टीफन जेयासीलन
श्री प्रताप रहांग

आंध्र प्रदेश

सदुगः

अनिल महाली एवं प्रशांति

स्तुतिः हमारी विश्वासी सरिता के गले की सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हुई। हमारे चर्च का एक युवा गिरिबाबू को प्रार्थना के परिणामस्वरूप अच्छी नौकरी मिली। कई लोगों ने ऑनलाइन प्रार्थना सभाओं में हिस्सा लिया। सभी प्लान की गई मीटिंग बिना किसी रुकावट के सफलतापुर्वक संचालित की गईं।

प्रार्थनाः राजन्ना और जानकीराम को लकवा की बीमारी से पूर्ण चंगाई मिले। रमना को गले के दर्द से चंगाई मिले। थम्मा और सोलोमन, जो पारिवारिक समस्याओं के कारण अलग हो गए हैं, उनके बीच सुलह हो और वे फिर से एक हो जाएँ। विश्वास से पीछे हटे विश्वासियों के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें कि वे फिर से प्रभु की ओर फिरें। स्वरूपा रानी, क्रिस्टस जेबा, जेया सन्नी और हरिका के लिए प्रार्थना करे कि उन्हें संतान सुख प्राप्त हो। श्रीकांत को शराब की लत से छुटकारा मिले।

तमिलनाडु

कुड़ुख अनुवादः

आर. थॉमस एवं रेगिनी

स्तुतिः अनुवादक को देहरादून में नीतिवचन ट्रांसलेशन प्रशिक्षण सभा में हिस्सा लेने का मौका मिला। नीतिवचन और भजन संहिता की पुस्तकों का सुधार समीक्षा के लिए तैयार है। परमेश्वर ने वाचा नामक फिल्म के कुछ संवादों काअनुवाद करने में हमारी मदद की।

प्रार्थनाः प्रभु हमारे स्थानीय अनुवादक पौलुस और मगरसाई को ईश्वरीय बुद्धि, शक्ति और अच्छी सेहत प्रदान करे। जमीन विवाद का सामना कर पौलुस को परमेश्वर की ओर से न्याय मिलने के लिए प्रार्थना करें। हमारे मिशनरी थॉमस के पूरी तरह ठीक होने के लिए, जो कोक्सीक्स दर्द से परेशान हैं, जिससे उनकी ट्रांसलेशन मिनिस्ट्री में रुकावट आ रही है, ताकि प्रभु अगले बारह वर्षों में पूरे नया नियम का कुड़ुख भाषा में अनुवाद करने के हमारे सपने को पूरा कर सकें।

सामर्थी नाम

झारखंड के महोरा मिशन क्षेत्र में, गीता कुमारी और उनकी माँ जो आसनजोर गाँव की नई विश्वासी थीं, एक शाम काम से घर लौट रही थीं, तभी दो चोरों ने अचानक उन पर हमला कर दिया और उनका मोबाइल फोन छीन लिया। डर के मारे वे चिल्लाईं, "यीशु! यीशु!" चोरों ने तुरंत फोन गिरा दिया और भाग गए। गीता और उनकी माँ सुरक्षित घर लौटीं और गाँव वालों के सामने गवाही दी कि कैसे प्रभु ने उन्हें बचाया, जिससे परमेश्वर के नाम की महिमा हुई।

415 मिश्नरी एल्बम

रेव्ह. राम कृष्ण अग्गीबाड़ा एवं श्रीमती अंजलि देवी बंटुमिली परिवार

रेव्ह. रामकृष्ण अग्गीबाड़ा (एलिया) का जन्म 05 अप्रैल 1982 को आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी प्रांत के एलुरु गाँव में एक हिंदू परिवार में हुआ था। जब वे तीन साल के थे, तब उनके पिता, श्री वेंकटेश्वर राव की मृत्यु हो गई। इकलौते बच्चे होने के नाते, उनकी माँ, श्रीमती रंगम्मा के दूसरी शादी करने के बाद उनके दादा–दादी ने उन्हें पाला–पोसा। उनकी दादी के प्रार्थना सभाओं में अक्सर आने से, पादरी आई. जयराजू उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शक बन गए और बाद में उन्हें गोद ले लिया।

1995 से, वह प्रार्थना सभाओं में नियमित रूप जाने लगे और यीशु मसीह को स्वीकार किया और 24जनवरी 1996 को बपतिस्मा लिया जिससे उन्हें एलिया नाम मिला। पादरी जयराजू ने उन्हें जिंदगी, पढ़ाई और विश्वास में आगे बढ़ाया। हालाँकि उन्होंने शिक्षक बनने के इरादे से MA B-Ed- किया था, परन्तु परमेश्वर ने उनके जीवन के लिए कुछ और ही प्लान किया था। बचपन से ही, वह मसीही शहीदों की कहानियों से बहुत प्रभावित हुए। वह अक्सर सोचते थे कि उन्होंने यीशु मसीह ने दुःख और मौत को कैसे अपनाया ये विचार उनके दिल में बस गया। 2010 के IEM स्टेट मिशन कॉन्फ्रेंस के दौरान यशायाह 41:9–10 के जरिए परमेश्वर ने उन्हें पूर्णकालिक सेवकाई में बुलाया। स्वर्गीय श्रीमती समदानम्मा और स्वर्गीय श्री के. इजराइल के अगुवाई में, वह 17 जून 2010 को FMPB में शामिल हुए, NIM (2010–2011) में ट्रेनिंग ली, और झारखंड के हंसडीहा फील्ड में संथाल लोगों के बीच सेवा की। NELC दुमका डायोसीज द्वारा 11 दिसम्बर 2024 को उनका पुरोहिताई अभिषेक हुआ।

उन्होंने 02 अगस्त 2012 को श्रीमती अंजलि देवी बंटुमिली से विवाह किया। अंजलि का जन्म 30 मई 1985 को उत्तरी गोदावरी प्रांत के गुडीपाडु में हुआ था, वे रोमन कैथोलिक पृष्ठभूमि से आती हैं। MCA डिग्री के साथ, वह एक नाम मात्र की क्रिश्चियन के तौर पर रहीं, जब तक कि परमेश्वर ने उन्हें जॉन 3:16 के द्वारा छूआ नहीं। हैदराबाद में उन्हें परमेश्वर के प्रेम की गहराई का एहसास हुआ – कि उन्होंने मेरे लिए अपना इकलौता बेटा दे दिया। इससे उनके हृदय में एक जरूरी सवाल उठा: "यदि परमेश्वर ने मेरे लिए अपना इकलौता बेटा दे दिया, तो मैं उनके लिए क्या कर रही हूँ?"

इससे उन्हें अपना जीवन परमेश्वर को सौंपने और मिशन के काम के लिए, खासकर उन लोगों के लिए जो अभी तक नहीं पहुँचे हैं, आगे बढ़ने का मौका मिला। FMPB मैगजीन पढ़ने से उन्हें ट्राइबल मिनिस्ट्री के लिए और प्रेरणा मिली तथा वे एक मजबूत मिशनरी दर्शन और अनुशासित प्रार्थना जीवन के साथ संगठन से जुड़ गईं। विवाह के बाद 2012 में वह FMPB में शामिल हुईं और NIM झाँसी में अपनी प्रशिक्षण पूरी कीं।

साथ मिलकर इस दम्पत्ति ने पश्चिम बंगाल के सैमसी मिशन क्षेत्र में संथाल जनजाति के बीच सेवा की, और बाद में इटाहार मिशन क्षेत्र (2014–2020) में अग्रगामी मिशनरी के तौर पर काम किया। 2020 से, वे पश्चिम बंगाल के पकुआहट क्षेत्र में सेवा कर रहे हैं। उनके दो बच्चे हैं: ए. जीवन प्रिंस (जन्म 10–08–2013), जो 6वीं कक्षा में पढ़ता है। जीवना अराधया (जन्म 22–01–2016), संतोष विद्यालय में 4थी कक्षा में पढ़ती है। कृपया इस परिवार को अपनी प्रार्थनाओं में याद रखें।

416 मिश्नरी एल्बम

श्रीमती अनिया डैनियल वेंकटेशन एवं परिवार

श्रीमती अनिया जोसेफिन का जन्म 08 अप्रैल 1988 को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली प्रांत में एक रोमन कैथोलिक परिवार में हुआ था। उन्हें 8वीं क्लास में पढ़ते समय उद्धार का अनुभव हुआ और उन्होंने अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित कर दिया। 13 जून 2007 को, वह फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड की मिनिस्ट्री में शामिल हुईं, और गुजरात के सिलवासा और खानवेल में अपनी सेवा आरम्भ की।

उन्होंने 29 मई 2009 को श्री डेनियल वेंकटेशन से विवाह किया। एक परिवार के तौर पर, उन्होंने नेशनल ट्रेनिंग सेंटर (NIM, झांसी, UP), आसिफाबाद (तेलंगाना), पंढारकोड़ा (महाराष्ट्र), नागपुर मिशन ऑफिस और शांतिपुरम (आंध्र प्रदेश) समेत अलग–अलग मिशन फील्ड में ईमानदारी से सेवा की, और कई आत्माओं को मसीह की ओर ले आईं।

शांतिपुरम मिशन क्षेत्र में सेवा करते समय, एक दुखद घटना हुई जब 02 मार्च 2013 को उनके पति का एक्सीडेंट हो गया और वे गुजर गए। उस समय, सिस्टर अनिया 24 साल की थीं और तीन महीने की प्रेग्नेंट थीं। गहरे दुःख और मुश्किलों के बीच, उन्होंने परमेश्वर का सहारा लिया, और अपने दो छोटे बच्चों को पालते हुए आँसुओं की घाटी से गुजरीं। उन्होंने नौ साल तक हमारे संगठन की यूथ विंग और केरिथ मैगजीन में, और तीन साल तक मोबिलाइजेशन मिनिस्ट्री में पूरी लगन से सेवा की। वह अभी चेन्नई में संगठन के गेस्ट हाउस को मैनेज कर रही हैं, और वहाँ रहने वाले मिशनरियों की सेवा कर रही हैं।

उनके बेटे, ब्रेडन डैनियल (जन्म 03 अगस्त 2013) को जन्म के समय हाइड्रोसेफेलस होने का पता चला था। आठ साल की उम्र में, उसे गंभीर पैरालिसिस हो गया और वह बोल और खा नहीं सकता था। उसकी आठ सर्जरी हुईं, जिसके दौरान दो और शंट लगाए गए। जब डॉक्टरों ने उम्मीद छोड़ दी थी, तब भी परमेश्वर ने कई लोगों की प्रार्थनाओं से चमत्कारिक रूप से उसे चंगाई दिया। हालाँकि उसे सीखने में दिक्कत और डिस्लेक्सिया जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, परन्तु परमेश्वर की कृपा से वह आगे बढ़ रहा है।

उनकी बेटी, क्रॉसबी एबिनिशा (जन्म 24 अप्रैल 2010), जो अब 10वीं कक्षा में पढ़ रही है, अपनी माँ के लिए ताकत और हिम्मत का एक बड़ा जरिया रही है।

हाल ही में, सिस्टर अनिया की स्पाइनल सर्जरी हुई और अभी वह सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस और पीठ के तेज दर्द का इलाज करवा रही हैं। अपनी शारीरिक कमजोरी और तकलीफ के बावजूद, वह बिना किसी पारिवारिक मदद के, परमेश्वर के लिए एक आनन्द भरी गवाह के तौर पर जी रही हैं। वह कहती हैं, "अगर मैं आज जी रही हूँ, तो यह सिर्फ परमेश्वर का अनुग्रह से है। उन्होंने मुझे कभी नहीं छोड़ा और न ही मुझे छोड़ेगा।"

उनका जीवन इन बातों का एक मजबूत गवाह है कि जब दुनियाँ हमें छोड़ देगी, तब भी यीशु हमें कभी नहीं छोड़ेगा। आईए हम बहन अनिया और उनके बच्चों का साथ देते रहें।

friends missionary prayer band

Whom shall I send? Who will go for us?

ARE YOU WILLING TO INVEST YOUR YOUTHFUL DAYS FOR CHRIST?

Come & join the family of FMPB

MISSIONARIES WANTED

A time to explore God's call!

Eligibility Criteria:

- Have you completed higher secondary (+2) or are you a graduate?
- Are you a bachelor or spinster who has completed 18 years of age and are below 30 years?
- Are you a married person aged 35 years or below?

If yes, you are eligible! **The opportunity before you:**

- Pioneer missionary • Church Planter • Medical Missionary
- Bible Translator • Missionary Teacher • Media Missionary

Friends Missionary Prayer Band (FMPB)
Human Resource Department (HRD)
29, High School Road, Ambattur, Chennai - 53
Email: hrd@fmpb.org / www.fmpb.co.in
044 2657 0404 / 2657 4343

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org ***Printed by:*** Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. ***Editor: S. John Berlin***